रजिस्ट्री सं. डी एल—33001/92 REGISTERED NO. DL—33001/92

भारत का राजपत्र
The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 32] नई दिल्ली, शनिवार, अगस्त 8, 1992 (श्रावण 17, 1914)
No. 32] NEW DELHI, SATURDAY, AUGUST 8, 1992 (SRAVANA 17, 1914)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 4
[PART III—SECTION 4]

सांविधिक निकायों द्वारा जारी की गई विविध अधिसूचनाएं जिनमें कि आदेश, विज्ञापन और सूचनाएं सम्मिलित हैं

[Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies]

भारतीय रिजर्व बैंक

केन्द्रीय कार्यालय

कार्मिक नीति विभाग

बम्बई-400023, दिनांक 7 जुलाई 1992

दिनांक 21 मार्च, 1992 के "भारत का राजपत्र" में प्रकाशित दिनांक 7 फरवरी, 1992 की अधिसूचना संख्या 4—शुद्धिपत्र

(1) पहले पृष्ठ अनुबंध में विनियम 25 के नीचे की पंक्ति में "अवधिपूर्ण सेवा" को "अवधिपूर्व सेवा" पढ़ा जाए। तथा दूसरी पंक्ति में आखिरी शब्द "निवृत्ति" के स्थान पर "निवृत्त" के रूप में पढ़ा जाए।

(2) उसी अनुबंध के अगले अर्थात् पृष्ठ सं० 626 पर मद (4) की दूसरी पंक्ति में "पेंसन" शब्द "पेंशन" पढ़ा जाए।

बा० सो० सराफ
कार्यपालक निदेशक

लोक ऋण कार्यालय

बम्बई-400001, दिनांक 8 अगस्त 1992

सं० लो०ऋ०का०/20.14.02/औद्योगिक वित्त निगम बांड—औद्योगिक वित्त निगम अधिनियम, 1948 (1948 का एकसवीं), के खण्ड 43 के अन्तर्गत बनाई गई औद्योगिक वित्त निगम (बाण्ड/निर्गम) विनियमावली, 1949 के विनियम 10 के अनुसरण में दिनांक 30 जून, 1992 को समाप्त होने वाली छ: माही के लिए गुम हुए आदि बाण्डों की निम्नलिखित सूची उसके साथ प्रकाशित की जा रही है, जिनके संबंध में

1—189GI/92

प्रथम दृष्टया यह मानने के लिए आधार है कि ये बाण्ड खो गए हैं और आवेदक का दावा न्यायसंगत है। जिन दावेदारों के नाम नीचे दिए गए हैं उससे भिन्न यदि किसी व्यक्ति को इन बाण्डों पर कोई भी दावा करना है, तो वे प्रबंधक, भारतीय रिजर्व बैंक, लोक ऋण कार्यालय, बम्बई-400001 से तत्काल संपर्क करें। यह सूची दो भागों में विभाजित की गई है। भाग "क" उन प्रतिभूतियों की सूची है जिनका विज्ञापन पहली बार किया जा रहा है और भाग "ख" उन प्रतिभूतियों की सूची है जिनका विज्ञापन पहले किया जा चुका है :—

प्रतिभूति की सं०	मूल्य रु०	निम्नलिखित के नाम पर जारी	निम्नलिखित दिनांक से ब्याज देय	चुकौती मूल्य के भुगतान के लिए दावेदार/रों का/के नाम	जारी किए गए आदेशों की सं० और दिनांक	प्रकाशन की वह तिथि जब प्रतिभूति का पहले उल्लेख किया गया था
			सूची "क"			
			—कुछ नहीं—			
			सूची "ख"			
		5½ प्रतिशत औद्योगिक वित्त निगम बाण्ड, 1978				
बी वाई-000635 बी वाई-000636	10,000 10,000	भारतीय रिजर्व बैंक	27-9-76	दि ओरियंटल इंशुरेंस कंपनी लि०	मामला सं० एल० 1684, संयुक्त प्रबंधक के दिनांक 19-3-86 के आदेश और केन्द्रीय कार्यालय डायरी सं० 383, दिनांक 20-3-86	9-8-1986
		6 प्रतिशत औद्योगिक वित्त निगम बाण्ड, 1986				
बी वाई-001808	5,000	भारतीय रिजर्व बैंक	10-6-84	मुस्लिम को-आपरेटिव बैंक लि०, पूना	मामला सं० एल० 1880, संयुक्त प्रबंधक के दिनांक 25-7-86 के आदेश और केन्द्रीय कार्यालय डायरी सं० 44, दिनांक 26-7-86	14-3-1987

यशोधन परांजपे, प्रबंधक

भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान

नई दिल्ली-110002, दिनांक 3 जुलाई 1992

(चार्टर्ड एकाउन्टैन्ट्स)

सं० 3-एन०सी०ए० (4)/1/92-93—चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम, 1988 के विनियम 18 के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचित किया जाता है कि चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार अधिनियम, 1949 की धारा 20 उपधारा (1) (क) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद् ने अपने सदस्यता रजिस्टर में से मृत्यु हो जाने के कारण निम्नलिखित सदस्यों का नाम उनके आगे दी गई तिथि से हटा दिया है :—

क्र० सं०	सदस्यता सं०	नाम एवं पता	दिनांक
1	2	3	4
1.	14918	श्री रामेश्वर दयाल वैश, केयर आफ मैसर्स आर० डी० वैश एण्ड कं०, रूम नं० 23, होटल रैक्स बिल्डिंग, दरियागंज, नई दिल्ली-110002	21-11-91

1	2	3	4
2.	85360	श्री प्रदीप कुमार जैन, केयर आफ मैसर्स प्रदीप जैन एण्ड एसोसिएट्स, 17/30, शक्ति नगर, दिल्ली–110007	21–05–91
3.	85874	श्री लोकेश कुमार जुनेजा, केयर आफ मिसिज अंजना जुनेजा, अंजना एण्ड एसोसिएट्स, 3070, न्यू हाउसिंग बोर्ड, पानीपत–132103 (हरियाणा)	26–12–91

ए० के० मजुमदार
सचिव

दिनांक 13 जुलाई 1992

सं० 3–एनसीए (5)/1/92–93—इस संस्थान की अधिसूचना नं० 3–एनसीए (4)/2/90–91 दिनांक 12–11–90, 4–सी.ए० (1)/33/76–77 दिनांक 31–3–77, 3–एनसीए (4)/6/91–92 दिनांक 11–3–92, 3–एनसीए (4)/10/83–84 दिनांक 31–3–84, 3–एनसीए (4)/3/91–92 दिनांक 14–2–92, 3–एनसीए (4)/3/89–90 दिनांक 9–11–89, 3–एनसीए (4)/7/91–92 दिनांक 14–5–92, 3–एनसीए (4)/3/90–91 दिनांक 13–3–91, के संदर्भ में चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम, 1988 के विनियम 20 के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचित किया जाता है कि उक्त विनियमों के विनियम 19 द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद् ने अपने सदस्यता रजिस्टर में निम्नलिखित सदस्यों का नाम पुनः उनके आगे दी गई तिथि से स्थापित कर दिया है :—

क्र० सं०	सदस्यता सं०	नाम व पता	दिनांक
1	2	3	4
1.	3033	श्री शोरी लाल लाम्बा, एफसीए, मैसर्स बाहल एण्ड कं०, 31, रीगल बिल्डिंग, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली–110001	28–05–92
2.	11755	श्री शिव नारायन गुप्ता, एसीए, ई–74, ग्रेटर कैलाश पार्ट–2, नई दिल्ली–110048	09–04–92
3.	72160	श्री राजीव अग्रवाल, एसीए, डी–1, गली नं० 9, न्यू गोबिन्दपुरा, कृष्णा नगर, दिल्ली–110051	01–04–92
4.	80254	श्री राकेश कुमार रीशी, एसीए, 211/1, आदर्श नगर, रेलवे कालोनी, गुड़गांव	28–04–92
5.	80869	श्री संजय सेठ, एसीए, सीनियर ऑडिटर, इंटरनल ऑडिट डिपार्टमेंट, ईस्टर्न पैट्रोलियम कम्पनी, पी०ओ० बाक्स 10035, जुबैल- 31961 साउदी अरेबिया	01–06–92
6.	81106	श्री नरिन्दर कुमार आहूजा, एसीए, 158–बी, न्यू कालोनी, गुड़गांव (हरियाणा)–122001	01–04–92
7.	81734	श्री राजन सवाना, एफसीए, एफ-82, विकास पुरी, नई दिल्ली	13–05–92
8.	82840	श्री राजिन्दर पाल सिंह, एफसीए, 196/16, तारा चन्द चैम्बर्स, रमेश मार्किट, ईस्ट आफ कैलाश, नई दिल्ली–110065	13-04-92
9.	83006	श्री सत पाल, एसीए, 599, डा० मुखर्जी नगर, दिल्ली–110009	27–04–92
10.	83731	श्री प्रमोद शर्मा, एफसीए, 9/6584, स्ट्रीट नं० 3, देव नगर, करोल बाग, नई दिल्ली–110005	07–05–92

1	2	3	4
11.	84209	श्री हरविन्दर पाल सिंह, एफसीए 21, गुड अर्थ कालोनी, बिहान्ड न्यू मोती बाग पैलेस, पटियाला—147001	14-05-92
12.	85120	श्री विजय कुमार जिन्दल एसीए, 5ए/21, अंसारी रोड, दरियागंज, नई दिल्ली—110002	12-05-92
13.	85564	श्री अलिश चन्दर, एसीए, महाजन मार्किट, अमर कालोनी, फजिल्का—152123	12—05—92
14.	86165	श्री दिनेश कुमार, एसीए, डी—288/10, लक्ष्मी नगर, विकास मार्ग, दिल्ली—110092	28—04—92
15.	86701	श्री राजेश कुमार गुप्ता, एसीए, 122—ई, मयूर विहार फेज—1, पोकेट—1, दिल्ली	08-04-92
16.	86762	श्री संजीव सचदेव, एसीए, बी—5/169, सफदरजंग इंक्लेव, नई दिल्ली—110029	01—04—92
17.	86960	श्री आर० हरीहरन, एसीए, बी—301, यमुना अपार्टमेंट्स, अलक नन्दा, नई दिल्ली	20—05—92
18.	87433	श्री अश्वनी कुमार, एसीए, कोठी नं० 546, सैक्टर—13, कुरुक्षेत्र (हरियाणा)	07—04—92
19.	87656	श्री पवन कुमार, एसीए, जीएस—14/1147/ जी—17/पश्चिम विहार, नई दिल्ली—110041	18—05—92
20.	88087	श्री आतुल गुप्ता, एसीए, ए—127, विवेक विहार, फेज—1, नई दिल्ली—110095	10—04—92
21.	88968	श्री संजय बक्सी, एसीए, स्यूट 11, 83ए, अंसन रोड, लंडन एन 7 ओएएस, यू०के०	28—05—92

ए० के० मजुमदार
सचिव

दिनांक 22 जुलाई 1992

सं० 13—सी० ए० (परीक्षा)/एन/92—चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स रेगूलेशन, 1988 के रेगूलेशन 22 के अनुसार दि काउंसिल आफ दि इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ इंडिया को नोटिफाई करने में प्रसन्नता है कि एन्ट्रेन्स, इंटरमीडिएट और फाइनल की परीक्षाएं निम्नलिखित तिथियों तथा केन्द्रों पर होगी बशर्ते कि प्रत्येक केन्द्र में परीक्षा के लिए पर्याप्त संख्या में परीक्षार्थी उपस्थित होते हैं :—

एन्ट्रेन्स परीक्षा :	2, 3, 4 और 5 नवम्बर, 1992
इंटरमीडिएट परीक्षा :	
ग्रुप—I	2, 3, 4 और 5 नवम्बर 1992
ग्रुप—II	6, 7 और 9 नवम्बर, 1992
फाइनल परीक्षा	
ग्रुप—I	2, 3, 4 और 5 नवम्बर, 1992
ग्रुप—II	6, 7, 9 और 11 नवम्बर, 1992

परीक्षा केन्द्र

1. आगरा
2. अहमदाबाद
3. इलाहाबाद
4. अम्बाला
5. बंगलौर
6. बड़ौदा
7. बेलगांव
8. भोपाल
9. बम्बई
10. कलकत्ता
11. कालीकट
12. चण्डीगढ़
13. कोयम्बटोर
14. कटक
15. दिल्ली/नई दिल्ली
16. इरनाकुलम
17. गुवाहाटी
18. हैदराबाद
19. इन्दौर
20. जयपुर
21. जम्मू
22. जोधपुर
23. कानपुर
24. काठमांडु (नेपाल)**
25. कोट्टायाम
26. लखनऊ

**काठमांडु (नेपाल) केन्द्र पर केवल इंटरमीडिएट और फाइनल परीक्षाएं होंगी)।

27. लुधियाना
28. मद्रास
29. मदुराई
30. मंगलौर
31. मेरठ
32. मैसूर
33. नागपुर
34. नासिक
35. पटना
36. पूना
37. रायपुर
38. सेलम
39. सूरत
40. तिरूचिरापल्ली
41. त्रिचूर
42. त्रिवेन्द्रम
43. उदयपुर
44. विजयवाड़ा
45. विशाखापटनम
46. यमुनानगर

परीक्षा शुल्क की राशि इंस्टीट्यूट के सचिव के पक्ष में जारी केवल माइकर ड्राफ्ट द्वारा भेजी जानी चाहिए, जो कि स्टेट बैंक आफ इंडिया, सर्विस ब्रांच, नई दिल्ली, कोड सं० 7687 पर देय होना चाहिए।

परिषद् अपने विशेषाधिकार के अन्तर्गत किसी भी परीक्षा केन्द्र को बिना कोई कारण दिए रद्द कर सकती है।

उक्त परीक्षाओं के लिए आवेदन निर्धारित आवेदन-पत्रों पर ही दिया जाना चाहिए, जो कि इंस्टीट्यूट आफ चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स आफ इंडिया के वरिष्ठ उप-सचिव (परीक्षा) के इन्द्रप्रस्थ मार्ग, नई दिल्ली स्थित कार्यालय से 5 रुपये प्रति आवेदन पत्र भुगतान करने पर मिल सकता है। उपर्युक्त प्रमाण-पत्रों और शुल्क के साथ माइकर ड्राफ्ट लगाकर आवेदन पत्र इस प्रकार भेजा जाना चाहिए कि वह वरिष्ठ उप-सचिव (परीक्षा) के कार्यालय में 14-9-1992 तक पहुंच जाए। आवेदन पत्र वरिष्ठ उपसचिव (परीक्षा) के दिल्ली कार्यालय में 4-9-1992 के बाद 11-9-1992 तक 50/- रुपये विलम्ब शुल्क के साथ भी स्वीकार किए जायेंगे। 11-9-1992 के बाद प्राप्त आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जायेगा। आवेदन-पत्र इंस्टीट्यूट के कार्यालय में स्वयं भी आकर दिया जा सकता है। या रीजनल कौंसिलों के बम्बई, मद्रास, कलकत्ता, कानपुर तथा ब्रांच अहमदाबाद, बंगलौर, हैदराबाद और पूना के कार्यालयों में 4-9-1992 तक जमा कराया जा सकता है इन नगरों में रहने वालों परीक्षार्थियों को इस सुविधा का फायदा उठाने की सलाह दी जाती है।

विभिन्न परीक्षाओं के लिए देय शुल्क इस प्रकार है :—

एन्ट्रेन्स परीक्षा :	रु० 150/-
इंटरमीडिएट परीक्षा	
केवल एक ग्रुप के लिए:	रु० 150/-
दोनों ग्रुपों के लिए:	रु० 225/-
फाइनल परीक्षा	
केवल एक ग्रुप के लिए :	रु० 175/-
दोनों ग्रुपों के लिए:	रु० 250/-
विशेष वर्ग (केवल पर्चा 4 या 5) :	रु० 100/-
विशेष वर्ग (केवल पर्चा 4 और 5) :	रु० 175/-

काठमांडु (नेपाल) केन्द्र से बैठने वाले परीक्षार्थियों को रु० 300/- या इसके सममूल्य की नेपाली मुद्रा का शुल्क अदा करना पड़ेगा चाहे वे इंटरमीडिएट/फाइनल परीक्षा के एक पेपर, एक ग्रुप या दो ग्रुपों में बैठ रहे हों।

हिन्दी में उत्तर लिखने की ऐच्छिकता

एन्ट्रेन्स, इंटरमीडिएट और फाइनल परीक्षाओं के उम्मीदवारों को उत्तर हिन्दी माध्यम से भी देने की सुविधा दी जाती है। विस्तृत जानकारी आवेदन-पत्र के साथ संलग्न सूचनापत्र में उपलब्ध है।

जगदम्बा प्रसाद,
वरिष्ठ उप-सचिव (परीक्षा)

मद्रास-600034, दिनांक 02 जुलाई 1992
(चार्टर्ड एकाउन्टेन्ट्स)

सं० 3-एस० सी० ए० (4)/1/92-93—चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार विनियम, 1988 के विनियम 18 के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचित किया जाता है कि चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार अधिनियम, 1949 की धारा 20 उपधारा (1) (क) द्वारा प्रदत्त अधिकारों का प्रयोग करते हुए भारतीय चार्टर्ड प्राप्त लेखाकार संस्थान परिषद् ने अपने सदस्यता रजिस्टर में से मृत्यु हो जाने के कारण निम्नलिखित सदस्यों का नाम उनके आगे दी गई तिथि से हटा दिया है।

क्र० सं०	सदस्यता सं०	नाम एवं पता	दिनांक
1	2	3	4
1.	2479	श्री ब्राहमैया एम०, अन्नापूर्ण देवी स्ट्रीट, गांधी नगर, विजयवाड़ा—520003	18-12-91

1	2	3	4
2.	2802	श्री चन्द्रामौली के०वी०, 36, थेन्नामराम स्ट्रीट, वेल्लौर–632001	09–05–92
3.	7310	श्री राजासेकरन ए०, "स्कंदा प्रिया" प्लाट नं० 20, मरूधानगर, वाडावाली, कोयम्बटोर–641041	25–12–91
4.	7455	श्री नामदेव प्रभु के०, बोलवार, पुट्टूर (डी०के०)–574201	05–04–92
5.	18793	श्री शंकरानारायनन एस०, 16, श्यामला वधाना स्ट्रीट, वैस्ट मम्बालम, मद्रास–600033	26–03–92
6.	20720	श्री शिवासामी एम०, लक्ष्मी निवास, 1/ए, ईस्ट पार्क रोड, कोविलपट्टी–627702	05–04–92
7.	21346	श्री चन्द्रामौली एस०, 22, स्वर्णामबिगई अग्राहाराम, सेलम–636001	30–03–92

ए० के० मजुमदार,
सचिव

कर्मचारी राज्य बीमा निगम

नई दिल्ली, दिनांक 5 जून 1992

सं० एन–15/13/12/2/91–यो० एवं वि०(2)—कर्मचारी राज्य बीमा (सामान्य विनियम, 1950) के विनियम 95–क के साथ पठित कर्मचारी राज्य बीमा अधिनियम 1948 (1948 का 24) की धारा–46 (2) द्वारा प्रदत्त शक्तियों के अनुसरण में महानिदेशक ने 16–6–92 को ऐसी तारीख के रूप में निश्चित की है जिससे उक्त विनियम 95–क तथा राजस्थान कर्मचारी राज्य बीमा नियम, 1955 में निर्दिष्ट चिकित्सा हितलाभ राजस्थान राज्य में निम्नलिखित क्षेत्रों में बीमांकित व्यक्तियों के परिवारों पर लागू किए जायेंगे :—

अर्थात्

"श्रीगंगानगर जिले में श्रीगंगानगर की विस्तरित नगर पालिका सीमाओं के अन्तर्गत आने वाले क्षेत्र"।

एम० घोष,
संयुक्त बीमा आयुक्त

नई दिल्ली, दिनांक 22 जुलाई 1992

सं० यू–16/(53)/88–चि–2 (गुजरात)—कर्मचारी राज्य बीमा (साधारण) विनियम, 1950 के विनियम, 105 के तहत महानिदेशक को निगम की शक्तियां प्रदान करने के संबंध में कर्मचारी राज्य बीमा निगम के दिनांक : 25 अप्रल, 1951 को हुई बैठक में पास किए संकल्प के अनुसरण में इसके द्वारा डा० आर० एस० पारिख को मानकों के अनुसार देय मासिक पारिश्रमिक पर कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से एक वर्ष के लिए या पूर्णकालिक चिकित्सा निर्देशी के कार्यग्रहण करने तक, जो भी पूर्व हो, को उप-चिकित्सा आयुक्त (उत्तर-पश्चिमी-ज़ोन) द्वारा निर्धारित बड़ौदा के क्षेत्रों के लिए बीमाकृत व्यक्तियों की स्वास्थ्य परीक्षा करने तथा मूल प्रमाण-पत्र की सत्यता संदिग्ध होने पर उन्हें आगे प्रमाण-पत्र जारी करने के प्रयोजन के लिए चिकित्सा अधिकारी के रूप में कार्य करने के लिए प्राधिकृत करती हूं।

श्रीमति कुसुम प्रसाद,
महानिदेशक

केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त का कार्यालय

नई दिल्ली-110001, दिनांक 20 जुलाई 1992

सं० एफ० पी०–1 (96) 90/2264—जहां मैसर्स इण्डियन रेलवे कन्सट्रक्शन कम्पनी लि०, पालिका भवन, सेक्टर–5,12, आर० के० पुरम, नई दिल्ली ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 (1-सी) के अन्तर्गत कर्मचारी परिवार पेंशन स्कीम, 1971 से छूट प्रदान करने के लिए अपने एक कर्मचारी श्री एस० एन० तिवारी कोड सं० डी०एल०/5568 के संबंध में आवेदन भेजा है।

चूंकि मैं ब० ना० सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूं कि भारत सरकार. पेंशन नियम (सी० सी० एस० पेंशन नियम) के अन्तर्गत परिवार पेंशन के रूप में लाभ जो कि उक्त स्थापना के इस कर्मचारी पर लागू है, कर्मचारी परिवार पेंशन स्कीम, 1971 के अन्तर्गत उपलब्ध लाभ से अधिक अनुकूल है।

उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा (1–सी०) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, मैं ब० ना० सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, उक्त स्थापना के कर्मचारी, जो जो कि उक्त स्थापना में आने से पूर्व केन्द्रीय सरकार की नौकरी में था तथा सी० सी० एस० पेंशन नियमों द्वारा शासित था, को निम्नलिखित शर्तों पर अधिसूचना के जारी होने की तिथि से

या नौकरी की अन्तिम तिथि से उन कर्मचारियों के संबंध में जो सरकार के 22-1-90 के आदेश के अनुसरण में 22-1-90 से 21-7-90 के बीच विकल्प देने के बाद सेवा नियुक्त हुए, को कर्मचारी परिवार पेंशन स्कीम, 1971 के सभी उपबंधों को लागू करने से छूट प्रदान करता हूं।

1. ये कर्मचारी छूट की तिथि से कर्मचारी परिवार पेंशन स्कीम, 1971 के अन्तर्गत किसी लाभ के पात्र नहीं होंगे।

2. कर्मचारी परिवार पेंशन स्कीम, 1971 से छूट प्रदान करने के लिए एक बार दिया गया विकल्प अंतिम होगा।

3. उक्त प्रत्येक कर्मचारी से संबंधित नियोक्ता संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को वे रिटर्न भेजेगा, वे लेखे तैयार करेगा और निरीक्षण करने की वे सुविधाएं देगा जिसे समय-समय पर केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त निदेश करेगा।

ब० ना० सोम
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एक्जम/89/भाग-1/2240—जहां मैसर्स भारत आटो इण्टरप्राइसिज, लब्बीपेट, कृष्णा जिला, विजयवाड़ा-520 010 (ए. पी.) (एपी-3812) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मंत्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना सं. एस-35014/137/87-एस.एस. दिनांक 28-12-87 के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची में निर्धारित शर्तों के रहते हुए मैं, बी. एन. सोम, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के संचालन से उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान करता हूं, दिनांक 28-12-90 से 27-12-93 तक लागू होगा जिसमें यह तिथि 27-12-93 भी शामिल है।

अनुसूची-I

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अंतर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के

हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एक्जम/89/भाग-1/2248—जहां मैसर्स दि गुडीवाड़ा कोप. अरबन बैंक लिमिटेड, गुडीवाड़ा, कृष्णा जिला (कोड नं. ए. पी./4168) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अंतर्गत छूट के लिए आवेदन किया है जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात स्कीम कहा गया है)।

अत: उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मैं, बी. एन. सोम, उक्त स्थापना की उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त गुंटूर ने स्कीम की धारा 28 (7) के अन्तर्गत ढील प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम से संचालन की छूट देता हूं। (दिनांक 1-10-89 से 30-9-92 तक)।

अनुसूची-I

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभार का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा (3-क) के खंड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय

भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा ।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिन्हें स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह छूट रद्द की जा सकती है ।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है ।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये किसी व्यतिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा ।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा ।

बी. एन. सोम
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एक्जम/89/भाग-1/2256—जहां मैसर्स जे. मित्रा इण्ड. (प्रा.) लिमिटेड, पो. बाक्स-4330, 1411, चिरणजीव टावर, 43, नेहरु प्लेस, न्यू दिल्ली-110019 (डी. एल./6967) ने कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उप-धारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है) ।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात स्कीम कहा गया है) ।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मैं, बी. एन. सोम, उक्त स्थापना को उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त दिल्ली ने स्कीम की धारा 28 (7) के अन्तर्गत ढील प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम के संचालन की छूट देता हूं । (दिनांक 1-10-88 से 30-9-91 तक)।

अनुसूची-I

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निदेश करें ।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अंतर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण, निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा ।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा ।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा ।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हो जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं ।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अंतर बराबर राशि का संदाय करेगा ।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह छूट रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये किसी व्यतिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

दिनांक 21 जुलाई 1992

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एक्जम/89/भाग-1/2268—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबंध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के लिए आवेदन किया है जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अत: उक्त अधिनियम की धारा 7 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची-II में उल्लिखित शर्तों से अनुसार मैं, बी. एन. सोम, प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने (अनुसूची-I) उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त मद्रास ने स्कीम की धारा 28(7) के अंतर्गत ढील प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम से संचालन की छूट देता हूं।

अनुसूची—I

क्रमांक	स्थापना का नाम और पता	कोड संख्या	छूट की प्रभावी तिथि	के०भ०नि०आ० फाइल संख्या
1.	मैसर्स अरूपकोटाई श्री जया विलास प्रा० लि०, 258, तिरूचुली रोड, अरूपकोटाई	टी०एन०/956	1-11-89 से. 28-2-89	2/4120/92-डी०एल०आई०
2.	मैसर्स टी०आर० वरदाराजन, 19-10-22, पिलाईयार स्ट्रीट, अरूपकोटाई-626101	टी०एन०/956-सी०	1-11-89 से 28-2-89	2/4121/92-डी०एल०आई०
3.	मैसर्स के० गोकुल मिता व गार्जियन द्वारा टी०आर० कानन, 3-ए, वादूधरकोटाई स्ट्रीट, अरूपुकोटाई	टी०एन०/9629	1-11-88 से 28-2-89	2/4122/92-डी०एल०आई०
4.	मैसर्स राजकुमार ट्रांसकोर्ट प्रोप० जी० राजाकुमार, 101, ग्रेट काटन रोड, अरूपुकोटाई-626101	टी०एन०/10464	1-11-88 से 28-2-89	2/4128/92-डी०एल०आई०

अनुसूची-I

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एक्जम./89/भाग-1/2276—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट के विस्तार के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मन्त्रालय

भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना संख्या तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गई है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूचित-II में निर्धारित शर्तों के रहते हुए मैं, बी. एन. सोम, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान करता हूं जैसा कि संलग्न अनुसूची-I में उनके नाम के सामने दर्शाया गया है।

अनुसूची—1

कोयम्बटूर

क्र० सं०	स्थापना का नाम और पता	कोड सं०	स्थापना की छूट बढ़ाने के लिए भारत सरकार की अधिसूचना की संख्या तथा तिथि	पहले से प्रदान की गई छूट की समाप्ति की तिथि	अवधि जिसके लिए और छूट दी गई है	के०भ०नि०आ० फाइल
1.	मैसर्स द एसोसिएटेड सीमेंट कम्पनी लि०, मदुकाराई सीमेंट वर्क्स, मदुकराई पिन-641105	टी०एन०/83	2/1959/डी०एल० आई०/89/पार्ट-1, दिनांक 21-5-90	26-11-91	27-11-91 से 26-11-94	2/658/92-डी०एल०आई०
2.	मैसर्स इटैक्स मुपर कास्टिंग्स लि०, वेल्लियानईकन पलायम, कोयम्बटूर-641020	टी०एन०/103338	एस-35014/29/85-डी०एल०आई० दिनांक 18-2-85	17-2-88	18-2-88 से 17-2-91	2/1171/85-डी०एल०आई०
3.	मैसर्स जगनाथ टैक्सटाईल्स लि०, पी० बाकूरी पालयम, पोलडपालायम, कोयम्बटूर, पिन-635664 जिला	टी०एन०/12420	एस-35014/49/84/पी०एफ० II दिनांक 3-3-87	16-3-90	17-3-90 से 16-3-93	2/598/81-डी०एल०आई०
4.	मैसर्स, लक्ष्मी मशीन वर्क्स लि०, यूनिट 11, कन्नीयायूर, कोयम्बटूर-638654	टी०एन०/12490	एस-35014/141/87/एस०एस० II दिनांक 15-1-88	14-1-91	15-1-91 से 14-1-94	2/20/76-डी०एल०आई०

अनुसूची-II

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारी का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किए जाने

की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिसों/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अन्तर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

बी. एन. सोम
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एक्जम/89/भाग-1/2284—जहां अनुसूची-1 में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसके पश्चात उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अंतर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अत: उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची-1 में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मैं, बी. एन. सोम प्रत्येक उक्त स्थापना को प्रत्येक के सामने (अनुसूची-1) में उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना को क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त कोयम्बटूर ने स्कीम की धारा 28(7) के अन्तर्गत ढील प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम से संचालन की छूट देता हूं।

अनुसूची—1

क्रमांक	स्थापना का नाम और पता	कोड संख्या	छूट की प्रभावी तिथि	के०भ०नि०आ० फाइल सं०
1	2	3	4	5
1.	मैसर्स थुलासी राम हाईवे ट्रांसपोर्ट, भदुकराई, कोयम्बटोर-641105	टी०एन०/4430	1-1-88 से 31-12-90	2/4181/92-डी०एल०आई०
2.	मैसर्स लक्ष्मी नारायण इण्डस्ट्रीज, 286, साथी, गांधी पुरम, कोयम्बटोर-641012	टी०एन०/4763	1-6-88 से 30-5-91	2/4180/92-डी०एल०आई०
3.	मैसर्स वी०आर० फाउण्डरीज, 46-सी०, पी०के०डी० नगर, पोस्ट बाक्स सं० 1635, पिलामढू, कोयम्बटोर-641004	टी०एन०/11075	1-1-88 से 31-12-90	2/4187/92-डी०एल०आई०

1	2	3	4	5
4.	मैसर्स हिन्दुस्तान टैक्सटाइल्स 11403, के० श्राड़ामकुराई, पोस्ट-कोयम्बटोर-641017	टी०एन०/11505	1-11-87 से 31-10-90	2/4188/92-डी०एल०आई०
5.	मैसर्स श्री गम्नावरी, सपिनिंग मिल्स (प्रा.) लि. मैन रोड, वालापाड़ी पिन: 636115 सलीम डिस्ट्रीक	टी०एन०/17251	1-1-90 से 31-12-92	2/4189/92-डी०एल०आई०
6.	मैसर्स रुकमनी ऑफसैट प्रेस, ई-32, सिडको इन्डस्ट्रीयल एसटेट्स कोयम्बटूर-641021	टी०एन०/21153	1-3-90 से 28-2-93	2/4190/92 डी०एल०आई०
7.	मैसर्स प्रभा फैब्रीकेटर्स 360, मैन रोड, करमाडी-641104	टी०एन०/21261	1-8-88 से 31-10-89	2/4191/92-डी०एल०आई०

नोट :— (उपरोक्त स्थापना दिनांक 01-11-89 से मै० लक्ष्मी गायत्री इंजीनियरिंग वर्क्स (टी०एन०/19250) के अन्तर्गत आ गई है इसलिए स्थापना को 1-8-88 से 31-10-89 तक छूट प्रदान की गई है)।

अनुसूची-II

1. उक्त स्थापना के संबंध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा (3-क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण, निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाए, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहु-संख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाए जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिसों/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अंतर के बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये किसी व्यतिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अन्तर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

बी. एन. सोम,
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एक्जम/89/भाग-1/2292—जहां अनुसूची-। में उल्लिखित नियोक्ताओं ने (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त स्थापना कहा गया है) कर्मचारी भविष्य निधि और प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उपधारा 2(क) के अंतर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किए बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जोकि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात् स्कीम कहा गया है)।

अत: उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2(क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा श्रम मन्त्रालय भारत सरकार/केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त की अधिसूचना संख्या तथा तिथि जो प्रत्येक स्थापना के नाम के सामने दर्शायी गई है, के अनुसरण में तथा संलग्न अनुसूची-। में निर्धारित शर्तों के रहते हुए मैं, बी. एन. सोम, उक्त स्कीम के सभी उपबन्धों के संचालन से प्रत्येक उक्त स्थापना को और 3 वर्ष की अवधि के लिए छूट प्रदान करता हूं, जैसा कि संलग्न अनुसूची-। में उनके नाम के सामने दर्शाया गया है।

कोयम्बटोर

अनुसूची—1

क्र० सं.	स्थापना का नाम और पता	कोड संख्या	स्थापना की छूट बढ़ाने के लिए भारत सरकार के अधिसूचना की संख्या तथा तिथि	पहले से प्रदान की गई छूट की समाप्ति की तिथि	अवधि जिसके लिए और छूट दी गई है	के०भ०नि०आ० फाइल संख्या
1	2	3	4	5	6	7
1.	मैसर्स शेशर टैक्सटाइल्स पो० बी० नं० 154, 603, अवनाशी रोड, तिरुपुर—638603	टी०एन०/46	एस०—35014 (16) 84—एफ०पी०जी०/ दिनांक 19-3-87	30—3—90	31—3—90 से 30—3—93	2/1021/89—डी०एल०आई०
2.	मैसर्स दा लक्ष्मी मिल्स कं० लि०, पापानाईकेन पालायम, कोयम्बटूर—641037	टी० एन०/57	2/1959/डी०एल० आई०/एक्जम/89/ पार्ट—1/12, दिनांक 2—1—91	28—2—90	1—3—90 से 28—2—93	2/3295/90—डी०एल० आई०
3.	मैसर्स दा लक्ष्मी मिल्स कं०, लि०, (पालायम ब्रांच) कुप्पूस्वामी नाडू, पुरम कोयम्बटूर जिला—638662 (पलाडम टी०के०) और आफिस, पी०बी० सं 6301, 348, अवनाशी रोड, पापानाईकेन पालायम कोयम्बटोर—641037	टी०एन०/57—ए	—वही—	28—2—90	1—3—90 से 28—2—93	2/3295/90—डी०एल०आई०

1	2	3	4	5	6	7
4.	मैसर्स कोथारी इण्डस्ट्रीयल कारपोरेशन लि०, यूनिट कोठारी टैक्सटाईल मिल्स, सं० 1, सिगनालूर पोस्ट, कोयम्बटोर–641005 (रजिस्टर्ड आफिस मद्रास सहित)	टी०एन०/67	2/1959/डी०एल० आई०/3-5-91	31-10-91	1-11-91 से 31-10-94	2/3451/90-डी०एल.आई०
5.	मैसर्स नीडल इन्डस्ट्रीज (इण्डिया) लि०, नीडल इन्डस्ट्रीज पोस्ट–643243 (केटी, दा नीलगिरीज)	टी० एन०/654	2/1959/डी०एल० आई०/एक्जम/89/ पार्ट–1/1081 दिनांक 28-3-90	31/12/91	1-11-92 से 31-12-94	2/761/90 डी० एल० आई०
6.	मैसर्स ऐलगी एक्यूपमैन्टस लि०, इन्डिया हाऊस पोस्ट बाक्स न० 3752, 1246, त्रिची बरोड, कोयम्टूर–641018	टी०एन०/3512	2/1959/डी०एल० आई०/एक्जम/पार्ट/ 1081, दिनांक 7-12-89	29-4-91	30-4-91 से 29-4-94	2/1193/85-डी०एल०आई०
7.	मैसर्स एस०के०एम० पोलट्री सर्विसस, मार्केटिंग, सेन्टरस, 49–सी, गान्धी जी रोड, एरोड–638002	टी०एन०/10725	एस०–35014/111/ 83/पी०एफ० 11, दिनांक 21-10-86	26-6-89	27-8-89 से 26-6-92	2/876/89-डी०एल०आई०
8.	मैसर्स सालम इन्डस्ट्रीयल प्लास्टिक पाकुलम स्ट्रीट, मालासमुद्रम, सालम डिस्ट्रीक पिन–637503	टी०एन०10923	2/1959/डी०एल० आई/89/पार्ट–1/ 8504, 21-11-90	28-2-90	1-3-90 से 28-2-93	2/3285/90-डी०एल०आई०
9.	मैसर्स वैलसन प्रेस टूल्स, 1238, अवनाशी रोड, पी०एन० पालायम कोयम्बटूर	टी०एन०/11440	2/1959/डी०एल० आई०/एक्जम/पार्ट–1/ 12, दिनांक 2-1-91	28-2-90	1-3-90 से 31-10-91	2/2073/89-डी०एल०आई०
10.	मैसर्स पलानी एण्डावर काटन एण्ड सिनथैटिक स्पिनिंग लि०, 236/1, डालीरोड, उडमालपट–642126, कोयम्बटूर डिस्ट्रीक	टी०एन०/16099	2/1959/डी०एल० आई०/एक्जम/89/पार्ट–1/610, 19-1-90	29-4-91	31-4-91 से 29-4-94	2/1197/85-डी०एल०आई०
11.	एल०जी० बालाकृष्णा एन्ड ब्रादर्स लि०, पोस्ट बाक्स नं० 3706 इन्डिया हाऊस, त्रिचि रोड कोयम्बटूर–641018	टी० एन/1165	2/1959/डी०एल० आई/एक्जम/89 26-10-90	31-7-90	1-8-90 से 31-7-93	2/1196/85
12.	मै० यूनिवर्सल ब्रेक्स (प्रा०) लि०, 1/181, पोलाची रोड, मालूमिचाम-पत्ती, पोस्ट, कोयम्बटूर–21	टी०एन०/ 11448	2/1959/डी०एल० आई०, दिनांक 14-3-90	28-2-91	1-3-91 से 28-2-94	2/2437/90

अनुसूची–II

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा (3-क) के खंड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अन्तरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जायेगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी, जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना की भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसको स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती, जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिसों/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अंतर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबन्धों में कोई भी संशोधन सम्बन्धित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जायेगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले लाभ किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करें, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी का व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किये गये किसी व्यतिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसके हकदार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि का संदाय तत्परता से और प्रत्येक दशा में भारतीय जीवन बीमा निगम से बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

दिनांक 22 जुलाई 1992

सं. 2/1959/डी. एल. आई./एक्जम/89/भाग-1/2300—जहां मैसर्स दी नेशनल रेडियो एण्ड इलैक्ट्रोनिक्स, महाकाली रोड, चकला, अन्धेरी (ई.) बम्बई-400093 (एम. एच./46) तथा इसकी शाखाएं व सेल आफिस जो इसी कोड न. में है, ने कर्मचारी भविष्य निधि प्रकीर्ण उपबन्ध अधिनियम, 1952 (1952 का 19) की धारा 17 की उप-धारा 2 (क) के अन्तर्गत छूट के लिए आवेदन किया है (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त अधिनियम कहा गया है)।

चूंकि मैं, बी. एन. सोम, केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त इस बात से संतुष्ट हूं कि उक्त स्थापना के कर्मचारी कोई अलग अंशदान या प्रीमियम की अदायगी किये बिना जीवन बीमा के रूप में भारतीय जीवन बीमा निगम की सामूहिक बीमा स्कीम का लाभ उठा रहे हैं, जो कि ऐसे कर्मचारियों के लिए कर्मचारी निक्षेप सहबद्ध बीमा स्कीम, 1976 के अन्तर्गत स्वीकार्य लाभों से अधिक अनुकूल है (जिसे इसमें इसके पश्चात स्कीम कहा गया है)।

अतः उक्त अधिनियम की धारा 17 की उपधारा 2 (क) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए तथा इसके साथ संलग्न अनुसूची में उल्लिखित शर्तों के अनुसार मैं, बी. एन.

सोम, उक्त स्थापना की उल्लिखित पिछली तारीख से प्रभावी जिस तिथि से उक्त स्थापना की क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त बम्बई ने स्कीम की धारा 28 (7) के अन्तर्गत ढील प्रदान की है, 3 वर्ष की अवधि के लिए उक्त स्कीम से संचालन की छूट देता हूं। (दिनांक 1-3-89 से 29-2-92 तक)।

अनुसूची-I

1. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक (जिसे इसमें इसके पश्चात् नियोजक कहा गया है) संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त, को ऐसी विवरणियां भेजेगा और ऐसे लेखा रखेगा तथा निरीक्षण के लिए ऐसी सुविधाएं प्रदान करेगा जो केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त, समय-समय पर निर्दिष्ट करें।

2. नियोजक, ऐसे निरीक्षण प्रभारों का प्रत्येक मास की समाप्ति के 15 दिन के भीतर संदाय करेगा जो केन्द्रीय सरकार, उक्त अधिनियम की धारा (3क) के खण्ड-क के अधीन समय-समय पर निर्देश करें।

3. सामूहिक बीमा स्कीम के प्रशासन में, जिसके अन्तर्गत लेखाओं का रखा जाना, विवरणियों का प्रस्तुत किया जाना, बीमा प्रीमियम का संदाय, लेखाओं का अंतरण निरीक्षण प्रभार का संदाय आदि भी है, होने वाले सभी व्ययों का वहन नियोजक द्वारा किया जाएगा।

4. नियोजक, केन्द्रीय सरकार द्वारा अनुमोदित सामूहिक बीमा स्कीम के नियमों की एक प्रति और जब कभी उनमें संशोधन किया जाये, तब उस संशोधन की प्रति तथा कर्मचारियों की बहुसंख्या की भाषा में उसकी मुख्य बातों का अनुवाद स्थापना के सूचना पट्ट पर प्रदर्शित करेगा।

5. यदि कोई ऐसा कर्मचारी जो कर्मचारी भविष्य निधि का या उक्त अधिनियम के अधीन छूट प्राप्त किसी स्थापना को भविष्य निधि का पहले से ही सदस्य है, उसकी स्थापना में नियोजित किया जाता है तो, नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के सदस्य के रूप में उसका नाम तुरन्त दर्ज करेगा और उसकी बाबत आवश्यक प्रीमियम भारतीय जीवन बीमा निगम को संदत्त करेगा।

6. यदि उक्त स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभ बढ़ाये जाते हैं तो नियोजक सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन कर्मचारियों को उपलब्ध लाभों में समुचित रूप से वृद्धि किए जाने की व्यवस्था करेगा, जिससे कि कर्मचारियों के लिए सामूहिक बीमा स्कीम के अधीन उपलब्ध लाभों से अधिक अनुकूल हों जो उक्त स्कीम के अधीन अनुज्ञेय हैं।

7. सामूहिक बीमा स्कीम में किसी बात के होते हुए भी यदि किसी कर्मचारी की मृत्यु पर इस स्कीम के अधीन संदेय राशि उस राशि से कम है जो कर्मचारी को उस दशा में संदेय होती जब वह उक्त स्कीम के अधीन होता तो, नियोजक कर्मचारी के विधिक वारिस/नाम निर्देशितों को प्रतिकर के रूप में दोनों राशियों के अंतर बराबर राशि का संदाय करेगा।

8. सामूहिक बीमा स्कीम के उपबंधों में कोई भी संशोधन संबंधित क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त के पूर्व अनुमोदन के बिना नहीं किया जाएगा और जहां किसी संशोधन से कर्मचारियों के हित पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ने की संभावना हो, वहां क्षेत्रीय भविष्य निधि आयुक्त अपना अनुमोदन देने से पूर्व कर्मचारियों को अपना दृष्टिकोण स्पष्ट करने का युक्तियुक्त अवसर देगा।

9. यदि किसी कारणवश स्थापना के कर्मचारी भारतीय जीवन बीमा निगम की उस सामूहिक बीमा स्कीम के, जिसे स्थापना पहले अपना चुकी है, अधीन नहीं रह जाता है या इस स्कीम के अधीन कर्मचारियों को प्राप्त होने वाले किसी रीति से कम हो जाते हैं तो यह रद्द की जा सकती है।

10. यदि किसी कारणवश नियोजक उस नियत तारीख के भीतर जो भारतीय जीवन बीमा निगम नियत करे, प्रीमियम का संदाय करने में असफल रहता है और पालिसी को व्यपगत हो जाने दिया जाता है तो छूट रद्द की जा सकती है।

11. नियोजक द्वारा प्रीमियम के संदाय में किए गए किसी व्यतिक्रम की दशा में उन मृत सदस्यों के नाम निर्देशितों या विधिक वारिसों को जो यदि यह छूट न दी गई होती तो उक्त स्कीम के अंतर्गत होते, बीमा लाभों के संदाय का उत्तरदायित्व नियोजक पर होगा।

12. उक्त स्थापना के सम्बन्ध में नियोजक इस स्कीम के अधीन आने वाले किसी सदस्य की मृत्यु होने पर उसे हकदार नाम निर्देशितों/विधिक वारिसों को बीमाकृत राशि प्राप्त होने के एक माह के भीतर सुनिश्चित करेगा।

बी. एन. सोम
केन्द्रीय भविष्य निधि आयुक्त

RESERVE BANK OF INDIA
CENTRAL OFFICE
PERSONNEL POLICY DEPARTMENT

Bombay-400 023, the 7th July 1992

Corrigendum to the Notification No. 4 dated 7th February 1992 published in Gazette of India dated 21st March 1992

The first line "(2). The qualifying .... voluntarily". appearing below the heading "25. Piemature retirement pension" in the Annexure may be read as "(1) Premature retirement pension shall be granted to an"

W. S. SARAF
Executive Director.

PUBLIC DEBT OFFICE

BOMBAY-400 001, the 8th August 1992

No. PDO/20-14-02/ I.F.C. Bonds.—In pursuance of Regulation 10 of Industrial Finance Corporation (Issue of Bonds) Regulations 1949 framed under Section 43 of the Industrial Finance Corporation Act, 1948 (XV of 1948) the following list for the half-year

ended 30th June 1992 of I.F.C.I. Bonds lost etc. in respect of which prima facie grounds exist for believing that the Bonds have been lost and that the claim of the applicant is just, is hereby published. All persons other than the respective claimants named below, who have any claim upon these Bonds should communicate immediately with the Manager, Reserve Bank of India, Bombay-400 001.

The list is divided into two parts. Part 'A' being the list of securities advertised for the first time and Part 'B' the list of securities previously advertised.

Bond No.	Value in Rs.	In whose name issued	From what date bearing interest	Name(s) of the claimant(s) for payment of discharge value	No. and date of orders issued	Date of publication of the list in which the security was first published
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.
			LIST 'A'			
			—NIL—			
			LIST 'B'			
			5½% I.F.C. Bonds 1978			
BY 000635	10,000	Reserve Bank of India	27-9-1976	The Oriental Insurance Company Limited	Case No. L-1684 Jt. Manager's Order dated 19th March, 1986 and C.O. Diary No. 383 dated 20th March, 1986.	9-8-1986
BY 000636	10,000					
			6% I.F.C. Bonds 1986			
BY 001808	5,000	Reserve Bank of India	10-6-1984	The Muslim Co-operative Bank Ltd., Poona	Case No. L-1880 Jt. Manager's Order dated 25th July 1986 and C.O. Diary No. 44 dated 26th July 1986	14-3-1987

Y.M. PARANJPE,
Manager

THE INSTITUTE OF CHARTERED ACCOUNTANTS OF INDIA

New Delhi-110 002, the 13th July 1992

(CHARTERED ACCOUNTANTS)

No. 3NCA (4)/1/92-93.—In pursuance of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1988, it is hereby notified that in exercise of the powers conferred by Section 20(1)(a) of the Chartered Accountants Act, 1949, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has removed from the Register of Members of the Institute on accounts of death, the names of the following members with effect from the dates mentioned against their names :—

Sl. No.	Membership No.	Name & Address	Date of Removal
1	2	3	4
1.	14918	Shri Rameshwar Dayal Vaish C/o. M/s. R.D. Vaish & Co., Room No. 23, Hotel Rex Building, Darya Ganj, New Delhi-110002.	21-11-91
2.	85360	Shri Pardeep Kumar Jain C/o. M/s. Pardeep Jain & Associates, 17/30, Shakti Nagar, Delhi-110007.	21-05-91
3.	85874	Shri Lokesh Kumar Juneja, C/o. Mrs. Anjana Juneja, Anjana & Associates, 3070, New Housing Board. Panipat-132103 Haryana.	26-12-91

A. K. MAJUMDAR
Secretary

No. 3NCA(5)/1/92-93.—With reference to this Institute's Notification Nos. 3NCA (4)/2/90-91 dated 12-11-90, 4CA (1)/33/76-77 dated 31-3-77, 3NCA (4)/6/91-92 dated 11-3-92, 3NCA (4)/10/83-84 dated 31-3-84, 3NCA (4)/3/91-92 dated 14-2-92, 3NCA (4)/3/89-90 dated 9-11-89, 3NCA (4)/7/91-92 dated 14-5-92, 3NCA (4)/3/90-91 dated 13-3-91, it is hereby notified in pursuance of Regulation 20 of the Chartered Accountants Regulations, 1988, that in exercise of the powers conferred by Regulation 19 of the said Regulations, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has restored to the Register of Members,

with effect from the dates mentioned against their names, the names of the following gentlemen :—

Sl. No.	Member-ship No.	Name & Address	Date of Restoration
1	2	3	4
1.	3033	Shri Shori Lal Lamba, FCA, M/s. Bahl & Co., 31, Regal Building, Parliament Street, New Delhi-110001.	28-05-92
2.	11755	Shri Shiv Narain Gupta, ACA, E-74, Greater Kailash, Part-II, New Delhi-110048.	09-04-92
3.	72160	Shri Rajeev Agarwal, ACA, D-1, Gali No. 9, New Govind Pura, Krishna Nagar, Delhi-110051.	01-04-92
4.	80254	Shri Rakesh Kumar Rishi, ACA, 211/1, Adarsh Nagar, Railway Road, Gurgaon.	28-04-92
5.	80869	Shri Sanjay Seth, ACA, Senior Auditor, Internal Audit Department, Eastern Petrochemical Company, P.O. Box 10035, JUBAIL 31961, SAUDI ARABIA.	01-06-92
6.	81106	Shri Narinder Kumar Ahuja, ACA, 158-B, New Colony, Gurgaon, Gurgaon (Haryana)-122001.	01-04-92
7.	81734	Shri Rajan Sadana, FCA, F-82, Vikas Puri, New Delhi.	13-05-92
8.	82840	Shri Rajinder Pal Singh, FCA, 196/16, Tara Chand Chambers, Ramesh Market, East of Kailash, New Delhi-110065.	13-04-92
9.	83006	Shri Sat Pal, ACA, 599, Dr. Mukharjee Nagar, Delhi-110009.	27-04-92
10.	83731	Shri Permod Sharma, FCA, 9/6584, Street No. 3, Dev Nagar, Karol Bagh, New Delhi-110005.	07-05-92
11.	84209	Shri Harvinder Pal Singh, FCA, 21, Good Earth Colony, Behind New Moti Bagh Palace, Patiala-147001.	14-05-92
12.	85120	Shri Vijay Kumar Jhindal, ACA, 5A/12, Ansari Road, Daryaganj, New Delhi-110002.	12-05-92
13.	85564	Shri Balish Chander, ACA, Mahajan Market, Amar Colony, Fazilka (Pb.)-152123.	12-05-92
14.	86165	Shri Dinesh Kumar, ACA, D-288/10, Laxmi Nagar, Vikas Marg, Delhi-110092.	28-04-92
15.	86701	Shri Rajesh Kumar Gupta, ACA, 122-E, Mayur Vihar, Phase-I, Pocket-I, Delhi.	08-04-92
16.	86762	Shri Sanjiv Sachdev, ACA, B-5/169, Safdarjung Enclave, New Delhi-110029.	01-04-92
17.	86960	Shri R. Hariharan, ACA, B-301, Yamuna Apartments, Alakh Nanda, New Delhi.	20-5-92
18.	87433	Shri Ashwani Kumar, ACA, Kothi No. 546, Sector-13, Kurukshetra, Haryana.	07-04-92
19.	87656	Shri Pawan Kumar, ACA, GH-14/1147/G-17/Paschim Vihar, New Delhi-110041.	18-05-92
20.	88087	Shri Atul Gupta, ACA, A-127, Vivek Vihar, Phase-I, New Delhi-110095.	10-04-92
21.	88968	Shri Sanjay Bakshi, ACA, Suite 11, 83A Anson Road, London N7 OAS, U.K.	28-05-92

A.K. MAJUMDAR, Secy.

New Delhi, the 22nd July 1992

No. 13-CA(Exam)/N/92.—In pursuance of Regulation 22 of the Chartered Accountants Regulations 1988, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India is pleased to notify that the Entrance, Intermediate and Final Examinations will be held on the dates given below at the following centres provided that sufficient number of candidates offer themselves to appear from each centre :—

ENTRANCE EXAMINATION :

2nd, 3rd, 4th and 5th November 1992.

INTERMEDIATE EXAMINATION :

Group I : 2nd, 3rd, 4th and 5th November 1992.

Group II : 6th, 7th and 9th November 1992.

FINAL EXAMINATION :

Group I : 2nd, 3rd, 4th and 5th November 1992.

Group II : 6th, 7th, 9th and 11th November 1992.

CENTRES :

1. Agra, 2. Ahmedabad, 3. Allahabad, 4. Ambala, 5. Bangalore, 6. Baroda, 7. Belgaum, 8. Bhopal, 9. Bombay, 10. Calcutta, 11. Calicut, 12. Chandigarh, 13. Coimbatore, 14. Cuttack, 15. Delhi/New Delhi, 16. Ernakulam, 17. Gauhati, 18. Hyderabad, 19. Indore, 20. Jaipur, 21. Jammu, 22. Jodhpur, 23. Kanpur, 24. Kathmandu (Nepal), 25. Kottayam, 26. Lucknow, 27. Ludhiana, 28. Madras, 29. Madurai, 30. Mangalore, 31. Meerut, 32. Mysore, 33. Nagpur, 34. Nasik, 35. Patna, 36. Poona, 37. Raipur, 38. Salem, 39. Surat, 40. Tiruchirapalli, 41. Trichur, 42. Trivandrum, 43. Udaipur, 44. Vijayawada, 45. Visakhapatnam, and 46. Yamuna Nagar.

The Intermediate and Final Examinations only will be held at Kathmandu (Nepal).

Payment of fees for the examination should be made only by M. I. C. R. Draft payable at State Bank of India Service Branch, New Delhi, Bank Code No. 7687 and drawn in favour of Secretary to the Institute.

The Council reserves the right to withdraw any centre at any stage without assigning any reasons.

Applications for admission to these examinations are required to be made on the relevant prescribed form, copies of which may be obtained from the Senior Deputy Secretary (Examinations), The Institute of Chartered Accountants of India, Indraprastha Marg, New Delhi-110 002, on payment of Rs. 5/- per application form.

Applications together with the necessary certificates and the prescribed fee by M.I.C.R. Drafts may be sent so as to reach the Senior Deputy Secretary (Examinations) at New Delhi not later than 4th September 1992. However, applications will also be received direct by Delhi Office after 4th September 1992 upto 11th September 1992 with late fee of Rs. 50/-. Applications received after 11th September 1992 shall not be entertained. Applications will also be received by hand delivery at the office of the Institute at New Delhi and at the Regional and Branch offices of the Institute at Bombay, Calcutta, Madras, Kanpur, Ahmedabad, Bangalore, Hyderabad and Poona upto 4th September 1992 (inclusive).

Candidates residing in these cities are advised to take advantage of this facility.

The fees payable for the various examinations are as under:—

ENTRANCE EXAMINATION	Rs. 150/-
INTERMEDIATE EXAMINATION :	
For One Group Only	Rs. 150/-
For Both Groups	Rs. 225/-
FINAL EXAMINATION :	
For One Group Only	Rs. 175/-
For Both Groups	Rs. 250/-
Special Category (Paper 4 or 5)	Rs. 100/-
Special Category (Papers 4 and 5)	Rs. 175/-

Candidates opting for Kathmandu (Nepal) Centre are required to remit Rs. 300/- or its equivalent Nepal currency irrespective of whether the candidates appear in a single paper, in a group or both groups.

OPTION TO ANSWER PAPERS IN HINDI :

Candidates of Entrance, Intermediate and Final Examinations will also be allowed to use the Hindi Medium for answering papers. Detailed information will be found printed in the information sheets attached to relevant application form.

JAGDAMBA PRASAD
Senior Deputy Secretary (Examinations)

Madras-600 034, the 2nd July 1992

(CHARTERED ACCOUNTANTS)

No. 3SCA(4)/1/92-93.—In pursuance of Regulation 18 of the Chartered Accountants Regulations, 1988, it is hereby notified that in exercise of the powers conferred by Clause (a) Sub-Section (1) of Section 20 of the Chartered Accountants Act, 1949, the Council of the Institute of Chartered Accountants of India has removed from the Register of Members of this Institute on account of death with effect from the dates mentioned against their names, the names of the following gentlemen :—

Sl. No.	M. No.	Name & Address	Date of Removal
1	2	3	4
1.	002479	Mr. Brahmaiah M. Annapurna Devi Street Gandhinagar Vijayawada-520 003.	18-12-91
2.	002802	Mr. Chandramouli K.V. 36, Thennamaram Street, Vellore-632 001.	09-05-92
3.	007310	Mr. Rajasekaran A. "Skanda Priya" Plot No. 20, Marudhamnagar Vadavalli Coimbatore-641 041.	25-12-91
4.	007455	Mr. Namdev Prabhu K. Bolwar Puttur (DK)-574 201.	5-04-92
5.	018793	Mr. Sankaranarayanan S. 16, Shyamala Vadhana Street West Mambalam Madras-600 033.	26-03-92
6.	020720	Mr. Sivasamy M. Lakshmi Nivas 1/A, East Park Road Kovilpatti-627 702.	05-04-92
7.	021346	Mr. Chandramouly S. 22, Swarnambigai Agraharam Salem-636 001.	30-03-92

A. K. MAJUMDAR
Secretary

EMPLOYEES' STATE INSURANCE CORPORATION

New Delhi, the 5th June 1992

No. N-15/13/12/2/91-P&D.—In pursuance of powers conferred by Section 46(2) of the Employees' State Insurance Act, 1948 (34 of 1948), read with Regulation 95-A of the Employees' State Insurance (General) Regulations, 1950, the Director General has fixed the 16-6-92 as the date from which the medical benefits as laid down in the said Regulation 95-A and the Rajasthan Employees' State Insurance (Medical Benefit), Rules 1955 shall be extended to the families of insured persons in the following area in the State of Rajasthan namely :—

"The areas within the extended Municipal limits of Sri Ganganagar in District Sri Ganganagar."

S. GHOSH
Jt. Insurance Commissioner (B)

New Delhi, the 22nd July 1992

No. U-16/53/88-Med.II(Guj).—In pursuance of the resolution passed by ESI Corporation at its meeting held on 25-4-1951 conferring upon the Director General the powers of the Corporation under regulation 105 of the ESI (General) Regulation 1950, I hereby authorise Dr. R. S. Parikh to function as Medical Authority at a monthly remuneration in accordance with the norms w.e.f. the date he assumes charge for one year, or till a full-time Medical Referee joins, whichever is earlier, for Baroda Centre, for areas to be allocated by Regional Deputy Medical Commissioner (North-West-Zone) Ahmedabad for the purpose of medical examination of the insured persons and grant of further certificates to

them when the correctness of the original certificates is in doubt.

SMT. KUSUM PRASAD
Director General

MINISTRY OF LABOUR

OFFICE OF THE CENTRAL PROVIDENT FUND COMMISSIONER

New Delhi-110 001, the 20th July 1992

No. F P-1 (96) 90/2264.—Whereas M/s Indian Railway Construction Co. Ltd., New Delhi, Palika Bhawan, Sec.-XIII, R. K. Puram, New Delhi-66 has forwarded an application in respect of its employee Shri S. N. Rewari, Code No.-DL/5568 for grant of exemption from Employees' Family Pension Scheme, 1971 under Section 17(I-C) of Employees Provident Funds & Misc. Provisions Act, 1952 (19 of 1952).

And whereas, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner am satisfied that the benefits in the nature of Family Pension under the Government of Idnia Pension Rules (C.C.S. Pension Rules) applicable to this individual employee of the said establishment are more favourable than the benefit provided under the Employees Family Pension Scheme, 1971.

Now therefore, in exercise of the powers conferred by sub-section (I-C) of Section 17 of the said Act, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, hereby exempt, the above said individual employee of the said establishment who was under the employment of the Central Government before absorption in the above establishment and was governed by the C.C.S. Pension Rules, from the operation of all provisions of the Employees Family Pension Scheme, 1971 with effect from the date of issue of the Notification or from the last date of service of these who retired after exercising option from 22-1-90 to 21-7-90 in terms of Government orders dated 22-1-90 on the following terms and conditions :

1. These employees will not be entitled to or claim any benefit(s) under the Employees' Family Pension Scheme, 1971 from the date of exemption.

2. Option once exercised for grant of exemption from Employees' Family Pension Scheme, 1971 will be irrevocable.

3. The employer in relation to each of the said employee shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned, maintain such accounts and provide such facilities for inspection as Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

B. N. SOM
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/EDLI/Exemp/89/Pt.I/2240.—WHEREAS M/s Bharat Auto Enterprises Labbipet, Krishna District, Vijayawada-520 010 (A.P. (AP/3812), have applied for exemption under sub-section (2A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, am satisfied that the employees of the said establishment are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the *Life Insurance Corporation* of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976, (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. S-35014/137/87-SS.II dated 28-12-87 and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt the above said establishment from the operation of all the provisions of the said Scheme for a further period of 3 years with effect from 28-12-90 to 27-12-93 upto and inclusive of the 27-12-92.

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8 No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any, made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heirs(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/EDLI/Exemp./89/Pt.I/2248.—WHEREAS M/s. The Gudivada Co-op. Urban Bank Limited, Gudivada, Krishna District (Code No. AP/4168) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, am satisfied that the employees of the said establishment are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976, (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-I annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt the above said establishment with retrospective effect from which date relaxation order under Para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Guntur from the operation of the said Scheme for and upto a period of 3 years from 1-10-89 to 30-9-92.

SCHEDULE—II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the Provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to effect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment to not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/EDLI/Exemp./89/Pt.I/2256.—WHEREAS M/s. J. Mitra & Bros. (P) Ltd., Post-Box-4330, 1411, Chiranjiv Tower, 43, Nehru Place, New Delhi-110 019 (DL/6967) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, am satisfied that the employees of the said establishment are without making any separate contribution or payment of premium, in employment of benefits under the payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit Linked Insurance Scheme, 1976, (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-I annexed hereto, I,

B. N. SOM, hereby exempt the above said establishment with retrospective effect from which date relaxation order under Para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Delhi from the opertaion of the said Scheme for and upto a period of 3 years from 1-10-88 to 30-9-91.

SCHEDULE II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/ Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this Scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM
Central Provident Fund Commissioner

The 21st July 1992

No. 2/1959/DLI/Exempt/89/Pt.I 2268.—WHEREAS, the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employee's Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner, am satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. Som, hereby exempt each of the said mentioned in Schedule-I against each from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C. Madurai from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

SCHEDULE—I

Region—Madurai

Sl. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	Effective date of exemption	CPFC File No.
1	2	3	4	5
1.	M/s Aruppukottai Sri Jayavilas (P) Ltd., 258, Tiruchuli Road, Aruppukattai-626101.	TN/956	1-11-88 to 28-2-89	2/4120/92-DLI
2.	M/s. T.R. Varadarajan, 19-10-22, Pillaimar Street, Arupukottai-626101.	TN/956 'C'	1-11-88 to 28-2-89	2/4121/92-DLI
3.	M/s. K. Gokul By Father & Gurdian T.R. Kannan 3-A, Vadugarkottai Street, Aruppukottai.	TN/9629	1-11-88 to 28-2-89	2/4122/92-DLI
4.	M/s Rajkumar Transport Prop. G. Raja Ram, 101, Great Cotton Road, Aruppukottai-626101.	TN/10464	1-11-88 to 28-2-89	2/4123/92-DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, along-with translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heirs(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM
Central Provident Fund Commissioner

No. 21959/DLI/Exemp/89/Pt.I/2276.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act.)

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, am satisfied that the employees of the said establishment are, without making any separate contribution or payment of premium in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the establishment and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said Establishments from the operation of all the provisions of the said scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SCHEDULE—I

Sl. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	No. & Date of the Govt's Notification vide which exemption was granted/ extended.	Date of expiry of earlier exemption.	Period for exemption further extended.	C.P.F.C's File No.
1	2	3	4	5	6	7
1.	M/s. The Associated Cement Companies, Madukkarai Cement Works, Madukkarai-641105	TN/83	2/1959/DLI/Exem/89/Pt. 1 dated 21-5-90	26-11-91	27-11-91 to 26-11-94	2/658/82-DLI
2.	M/s Ettex Super Castings Ltd., Periyanicken Palayam, Coimbatore-641020	TN/10338	S-35014/29/85/SS. IV dated 18-2-85	17-2-88	18-2-88 to 17-2-91 18-2-91 to 17-2-94	2/1171/85-DLI
3.	M/s Jaganatha Textiles Ltd., P. Vadugapalayam Post, Palladum, Coimbatore-635664.	TN/12420	S-35014/40/84/PF. II/SS. II dated 3-3-87	16-3-90	17-3-90 to 16-3-93	2/598/81-DLI
4.	M/s Lakshmi Machine Works Ltd., Unit-II, Kaniyiur, Coimbatore-638659	TN/12490	S-35014/141/87/SS. II dated 15-1-88	14-1-91	15-1-91 to 14-1-94	2/20/76/DLI

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment(hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the alnguage of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said Scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM,
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/2284.—WHEREAS the employers of the establishment mentioned in Schedule-I (hereinafter referred to as the said establishments) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employee's Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner am satisfied that the employees of the said establishments are, without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by Sub-Section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-II annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said mentioned in Schedule-I against each from which date relaxation order under para 28(7) of the said Scheme has been granted by the R.P.F.C. Coimbatore from the operation of the said scheme for a period of 3 years.

SCHEDULE—I

S. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	Effective date of exemption	C.P.F.C.' File No.
1	2	3	4	5
1.	M/s. Thulasiram Highway Transports/Madukkarai, Coimbatore 641 105	TN/4430	1-1-88 to 31-12-90	2/4181/92-DLI
2.	M/s. Lakshmi Narayana Industries 286, Sathy Road, Gandhi Puram Coimbatore-641012	TN/4763	1-6-88 to 30-5-91	2/4180/92-DLI
3.	M/s. V.R. Foundaries 46-C, P.K.D. Nagar, Post Box No. 1635 Peelamedu Coimbatore-641004	TN/11075	1-1-88 to 31-12-90	2/4187/92-DLI
4.	M/s Hindustan Textiles, 1/403, K. Vadamadurai Post Coimbatore-641017	TN/11505	1-11-87 to 31-10-90	2/4188/92-DLI
5.	M/s Sri Garudadri Spinning Mills (P) Ltd., Main Road, Valapady, pin-621615 Salem Dist.	TN/17251	1-1-90 to 31-12-92	2/4189/92-DLI
6.	M/s Ruckmani Offset Press, E-32, SIDCO Industrial Estates, Coimbatore-641021	TN/12153	1-3-90 to 28-2-93	2/4190/92-DLI
7.	M/s Prabha Fabricators, 360, Main Road, Karamadai 641104	TN/21261	1-8-88 to 31-10-89	2/4191/92-DLI

(Note:—Above establishment taken by M/s Lakshmi Gayatri Engn. Works (TN/19250) w.e.f. 1-11-89. so that exemption issued only for 1-8-88 to 31-10-89).

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the Provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/Legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM
Central Provident Fund Commissioner

No. 2/1959/DLI/Exemp/89/Pt.I/2292.—WHEREAS the employers of the establishments mentioned in Schedule I (hereinafter referred to as the said establishment) have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Fund and Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS I, B. N. Som, Central Provident Fund Commissioner am satisfied that the employees of the said establishment are without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-linked Insurance Scheme, 1976 (hereinafter referred to as the said scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and in continuation of the Government of India in the Ministry of Labour/C.P.F.C. Notification No. and date shown against the name of each of the establishment and subject to the conditions specified in Schedule II annexed hereto I, B. N. SOM, hereby exempt each of the said establishments from the operation of all the provisions of the said scheme for a further period of 3 years as indicated in attached Schedule-I against their names.

SCHEDULE—I

Sl. No.	Name & Address of the establishment	Code No.	No. & Date of the Govt's Notification vide which exemption was granted/extended	Date of expiry earlier exemption	Period for exemption further extended	C.P.F.C.'s File No.
(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
1.	M/s. Asher Textiles Ltd. P.B. No. 154, 603, Avanashi Road, Tirupur-638603	TN/46	S-35014/(16)84-FPO/(SS. II) dated 19-3-87	30-3-90	31-3-90 to 30-3-93	2/1021/84-DLI
2.	M/s The Lakshmi Mills Company Ltd., Pappanaicken Palayam, Coimbatore-641037	TN/57	2/1959/DLI/Exemp/89 Pt. 1/12 dated 21-1-91	28-2-90	1-3-90 to 28-2-93	2/3295/90-DLI
3.	M/s. The Lakshmi Mills Company Ltd., (Palladam Branch) Kuppuswamy Naidu Puram-Coimbatore District. 638662 (Palladam TK) and office P.B. No. 6301, 348 Avanshi Road, Rappanaiken Palayam, Coimbatore-641037.	TN/57 'A'	Do.	28-2-90	1-3-90 to 28-2-93	2/3295/90-DLI

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)	(6)	(7)
4.	M/s. Kothari Industrial Corporation Ltd., Unit Kot Kothari Textiles Mills, No. I, singanallur P.O. Coimbatore-641005 (alongwith Regd. Office at Madras).	TN/67	2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. I dated 3-5-91	31-10-91	1-11-91 to 31-10-94	2/3451/90-DLI
5.	M/s Needle Industries (India) Ltd., Needle Industries Post-643243, Ketti, The Nilgiris.	TN/854	2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. I/1081 dated 28-3-90	31-12-91	1-1-92 to 31-12-94	2/761/82-DLI
6.	M/s Elgi Equipments Ltd., 'India House' P.B. No. 3752, 1246 Trichy Road. Coimbatore-641018	TN/3512	2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. I/1081 dated 7-12-89	29-4-91	1-1-92 to 31-12-94	2/1193/85-DLI
7.	M/s. S.K.M. Paultry Services, Marketing Centres, 49 C. Gandhiji Road, Erode-638002	TN/10725	S-35014/111/83/PF. II dated 21-10-86	26-8-89	1-3-90 to 31-10-91	2/2073/89-DLI
8.	M/s Salem Industrial Plastics Theppakulam Street, Mallasam-Udram, Salem, Dist. Pin-637503	TN/10923	2/1959/DLI/Exemp/89/PT I/8704 dated 21-11-90	28-2-90	1-3-90 to 28-2-93	2/3285/90-DLI
9.	M/s Wilson Press Tools, 1238, Avanashi Road, P.N. Palayam, Coimbatore.	TN/11440	2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. I/12 dated 2-1-91	28-2-90	1-3-90 to 31-10-91	2/2073/89-DLI
10.	M/s Palani Andavar Cotton & Synthetic Spinners Ltd., 236/1/ Udamalpet, 642126, Coimbatore Distt.	TN/16099	2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. I/610 dated 19-1-90	29-4-91	30-4-91 to 29-4-94	2/1197/85-DLI
11.	M/s. L.G. Balakrishnan & Bros. Ltd., Post Box. No. 3706 India House, Trichy Road, Coimbatore-641018.	TN/1165	2/1959/DLI/89 dated 26-10-90	31-7-90	1-8-90 to 31-7-93	2/1196/85
12.	M/s. Universal Brakes (P) Ltd., 1/181, Pollachi Road, Malumichampatti Post, Coimbatore-21.	TN/11448	2/1959/DLI/Exemp/89/Pt. I dated 14-3-90	28-2-91	1-3-91 to 28-2-94	2/2437/90

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme, including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amount payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the Provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees' the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employees of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life

Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM
Central Provident Fund Commissioner

The 22nd July 1992

No. 2/1959/EDLI/Exemp./89/Pt.I/2300.—WHEREAS M/s. The National Radio & Electronics, Mahakali Road, Chakala, Anderi (E), Bombay-400 093 (MH/46) alongwith its branches and sales offices under the same Code No. have applied for exemption under sub-section 2(A) of Section 17 of the Employees' Provident Funds & Miscellaneous Provisions Act, 1952 (19 of 1952) (hereinafter referred to as the said Act).

AND WHEREAS, I, B. N. SOM, Central Provident Fund Commissioner, are satisfied that the employees of the said establishment is without making any separate contribution or payment of premium, in enjoyment of benefits under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India in the nature of Life Insurance which are more favourable to such employees than the benefits admissible under the Employees' Deposit-Linked Insurance Scheme, 1976, (hereinafter referred to as the said Scheme).

NOW, THEREFORE, in exercise of the power conferred by sub-section (2A) of Section 17 of the said Act and subject to the conditions specified in Schedule-I annexed hereto, I, B. N. SOM, hereby exempt the above said establishment with retrospective effect from which date relaxation order under Para 28(7) of the said Scheme has been granted by the Regional Provident Fund Commissioner, Bombay from the operation of the said Scheme for and up to a period of 3 years from 1-3-89 to 29-2-92.

B. N. SOM
Central Provident Fund Commissioner

SCHEDULE-II

1. The employer in relation to each of the said establishment (hereinafter referred to as the employer) shall submit such returns to the Regional Provident Fund Commissioner concerned and maintain such accounts and provide such facilities for inspection, as the Central Provident Fund Commissioner may direct from time to time.

2. The employer shall pay such inspection charges as the Central Government may, from time to time, direct under clause (a) of sub-Section (3A) of Section 17 of the said Act, within 15 days from the close of every month.

3. All expenses involved in the administration of the Group Insurance Scheme. including maintenance of accounts, submission of returns, payment of insurance premia, transfer of accounts, payment of inspection charges etc. shall be borne by the employer.

4. The employer shall display on the Notice Board of the establishment, a copy of the rules of the Group Insurance Scheme as approved by the Central Government/Central Provident Fund Commissioner as and when amended, alongwith translation of the salient features thereof in the language of the majority of the employees.

5. Whereas an employee, who is already a member of the Employees' Provident Fund or the Provident Fund of an establishment exempted under the said Act, if employed in his establishment the employer shall immediately admit him as a member of the Group Insurance Scheme and pay necessary premium in respect of him to the Life Insurance Corporation of India.

6. The employer shall arrange to enhance the benefits available to the employees under the Group Insurance Scheme appropriately if the benefits available to the employees under the said Scheme are enhanced so that the benefits available under the Group Insurance Scheme are more favourable to the employees than the benefits admissible under the said Scheme.

7. Notwithstanding anything contained in the Group Insurance Scheme, if on the death of an employee the amounts payable under the Scheme be less than the amount that would be payable had the employee been covered under the said Scheme, the employer shall pay the difference to the nominee(s)/legal heir(s) of the employee as compensation.

8. No amendment of the Provisions of the Group Insurance Scheme shall be made without the prior approval of the Regional Provident Fund Commissioner concerned and where any amendment is likely to affect adversely the interest of the employees, the Regional Provident Fund Commissioner shall before giving his approval, give a reasonable opportunity to the employee to explain their point of view.

9. Where for any reason, the employee of the said establishment do not remain covered under the Group Insurance Scheme of the Life Insurance Corporation of India as already adopted by the said establishment, or the benefits to the employees under this scheme are reduced in any manner, the exemption shall be liable to be cancelled.

10. Where for any reason, the employer fails to pay the premium etc. within the due date, as fixed by the Life Insurance Corporation of India, and the policy is allowed to lapse, the exemption shall be liable to be cancelled.

11. In case of default, if any made by the employer in payment of premium the responsibility for payment of assurance benefits to the nominee(s)/legal heir(s) of deceased member who would have been covered under the said scheme but for grant of this exemption, shall be that of the employer.

12. Upon the death of the member covered under the Group Insurance Scheme the Life Insurance Corporation of India shall ensure prompt payment of the sum assured to the nominee(s)/legal heir(s) of the deceased member entitled for it and in any case within one month from the receipt of claims complete in all respect.

B. N. SOM
Central Provident Fund Commissioner

UNIT TRUST OF INDIA

Bombay, the 15th July 1992

No. UT/DBDM/147A/SPD 153 92-93.—The Amendments to the Provisions of the Unit Scheme 1964 formulated under Section 21 of the Unit Trust of India Act, 1963 approved by the Executive Committee in the Meeting held on 15th June, 1992 are published here below.

ANNEXURE

Amendment to the Provisions of US-69

1. In clause 2 on 'Definitions' of the provisions of the Unit Scheme 1964 the following definitions shall be inserted :

After definition 2(b) on "Acceptance date" the following shall be inserted as definition 2(ba) :

"Applicant" means an applicant under the Scheme and shall include an alternate applicant mentioned in the

Application form when units are sold for the benefit of a mentally handicapped persons.

After definition 2(cc) on "eligible trust" the following shall be included as definition 2(cca) :

"Mentally Handicapped Person" means any individual who suffers from mental disability of such a nature which prevents him from carrying out normal activities of life and is so certified by any Registered Medical Practitioner.

2. The following shall be inserted as sub-clause (vii) in clause 4 on 'Application for units' in the provisions of Unit Scheme 1964 ;

(vii) an individual for the benefit of another individual who is a mentally handicapped person.

3. The following shall be inserted as second paragraph in clause 14 on "Trust not to be recognised regarding Unit Certificates" of the provisions of Unit Scheme 1964 :

When an application is made by an individual for the benefit of an another individual who is mentally handicapped and accepted by the Trust, the Trust shall not be deemed to be taking notice of any trust. The Trust shall deal for all purposes, under the Scheme with the applicant or the person mentioned as alternate applicant in the application form in the event of the applicant's death.

4. The following shall be inserted as second paragraph to sub clause 5 of Clause 16 on "Register of unitholders" of the provisions of Unit Scheme 1964 :

"Any change pursuant to the death of an applicant who has applied for units for the benefit of another individual who is mentally handicapped person shall be entered in the Register accordingly.

5. The following shall be inserted as sub clause 2a in the clause 19 on "Application by and registration of Bodies Corporate, minors etc." of the provisions of Unit Scheme 1964 ;

"2a. Where an application is made by individual for the benefit of another individual who is mentally handicapped person, the Trust shall act on the statements and the certificates furnished and in doing so the Trust shall be deemed to be acting in good faith. The Trust shall be entitled to deal only with the applicant and in the event of his death, the alternate applicant for all practical purposes and any payment in respect of the units by the Trust to the said applicant or the alternate applicant shall be good discharge to the trust.

5. The following shall be inserted as sub clause 2a in the clause 21(a) on "Nomination by unitholders and Agents" of the provisions of the Unit Scheme 1964 :

Unitholders being either parent or lawful guardian on behalf of a minor and an eligible institution, societies, bodies corporate, and an aplicant who has applied for units for the benefit of a mentally handicapped person shall have no right to make any nomination.

7. The following shall be inserted as 21(B) in the provisions of the Unit Scheme 1964 :

21(B) *Death of applicant investing on behalf of a mentally handicaped person.*

In the event of the death of the applicant who has applied for units for the benefit of a mentally handicapped person, the Trust shall deal with the alternate applicant as if he were the applicant. Further, in the event of the death of the applicant or the alternate applicant, as the case may be, the existing applicant shall appoint another individual as his alternate applicant, the alternate applicant shall send the Unit Certificates for necessary rectification.

No. UT/DBDM/151A/SPD 106/92-93.—The Amendments to the Provisions of the Children's Gift Growth Fund formulated under Section 21 of the Unit Trust of India Act, 1963 approved by the Executive Committee in the Meeting held on 15th June, 1992 are published herebelow.

ANNEXURE

Amendment to the Provisions of CGGF-86

1. Sub clause (f) of clause 22 on "Income Distribution" of the provisions of the CGGF-1986 Scheme shall be substituted by the following :

"When between the date of completion of the age of 21 and the date of surrendering the unit certificate, an income distribution is declared by the Trust, such income distribution shall accrue on the units standing to the credit of the child which shall be reinvested every year in further units by the Trust till the unitholder surrenders his certificate for repurchase".

2. The following Sub clause (g) of clause 22 on "Income Distribution" of the provisions of CGGF 86 shall be substituted by the following:

In the event of the death of the child and where no alternate child has been named, income distributor declared between the date of death and the date on which the claims of the legal representatives of the deceased child are admitted by the Trust, shall be deemed to have accrued to the units, and the above said income distribution shall be reinvested every year in further units by the Trust till the legal representative of the deceased child makes a claim for it"

No. UT/DBDM/155A/SPD 184/92-93.—The Provisions of the Housing Unit Scheme 1992 formulated under Section 21 of the Unit Trust of India Act. 1963 approved by the Executive Committee in the Meeting held on 18th May, 1992 are published herebelow.

HOUSING UNIT SCHEME—1992

In exercise of the powers conferred by Section 21 of the Unit Trust of India Act 1963, the Board of Trustees of the Unit Trust of India hereby makes the following Unit Scheme :

Objectives

The principal objective of the scheme is to introduce The Mutual Fund concept in the field of investment in housing and Construction areas and to enable the investors to fulfil their objective of owning, modifying or expanding their residential accomodation. The income profit earned on the investment of funds under the scheme will be ploughed back. Income distribution is not envisaged and it will be the endeavour of the scheme to maximise capital appreciation. The appreciation in Net Asset Value of the Fund will be reflected in the repurchase price of the Unit to be announced by the Trust periodically from the beginning of the fifth year.

1. *Short title and commencement*

(1) This scheme shall be called Housing Unit Scheme 1992" (HUS).

(2) It shall come into force on the 25th June 1992.

(3) The units will be on sale throughout the year except for such period or periods when the books of the scheme will be closed for accounts purposes.

(Provided that the Chairman or the Executive Trustee may suspend the sale of units under the scheme at any time by giving one week's notice in such newspapers as may be decided).

II. *Definitions*

In this Scheme, unless the context otherwise requires—

(a) the "Act" means the Unit Trust of India Act, 1963;

(b) "acceptance date" with reference to an application made by an applicant to the Trust for sale or repurchase of units means the day on which the Trust after being satisfied that such application is in order, accepts the same;

(c) "applicant" means an applicant under the scheme and shall include all those categories of persons described in clause IV.

(d) "lock-in-period" shall mean a period of 5 years from date of purchase of units under the scheme after which a unitholder can repurchase the units comprised in his unit certificate.

(e) "number of units in issue" means the aggregate of the number of units sold and outstanding;

(f) "recognised stock exchange" means a stock exchange which is, for the time being recognised under the Securities Contracts Regulation Act, 1956 (42 of 1956);

(g) "Regulations" means Unit Trust of India General Regulations, 1964 made under Section 43 (1) of the Act;

(h) "scheme" means the Housing Unit Scheme-1992 as amended from time to time.

(i) "Unit" means one undivided share of the face value of Rupees One Hundered in the Unit Capital.

III. *Face Value of each Unit*

The face value of each unit shall be One Hundred Rupees.

IV. *Application for Units*

(1) Applications for units may be made by the following classes of persons;

(i) Resident Indians, being adult individuals, either singly or jointly upto 2 individuals on joint basis.

(ii) A parent, step-parent or other lawful guardian on behalf of a minor (Minors cannot avail of loan till they attain majority).

(iii) Non-resident Indians, being adult individuals, either singly or jointly upto 2 individuals on joint basis on non repartriable basis.

(2) An aplication shall not be made jointly on behalf of a minor and another person.

(3) Applications shall be made in such form/s as may be approved by the Chairman/Executive Trustee of the Trust.

(4) Applications shall be in multiples of 10 units subject to a Minimum of 20 units.

5. (i) The payment for the units applied for shall be made by an applicant alongwith the application in cash, cheque or draft. Cheque and drafts should be drawn payable to "Unit Trust of India—HUS 92" and tendered at any of the offices of the Trust on designated office of HDFC. Outstation cheques will not be accepted.

(ii) If the payment is made by cheque/draft the acceptance will, subject to such cheque/draft being realised, be the date on which the instrument is received by the Trust/designated of HDFC. If the amount tendered by way of payment for the units applied for, is not sufficient to cover the amount payable for the units applied for, the applicant shall be issued such lower number of units as could be issued under the Scheme subject to a minimum of 20 units and the balance amount due to him shall be refunded to him at his cost in such manner as the Trust may deem fit.

IVA. *Applicant to comply with requirements under the Scheme before being issued units*

Persons applying for units under the scheme shall be bound to satisfy the Trust about their eligibility to make an application under the scheme and to comply with all the requirements of the Trust. A person who holds units under a false declaration shall be liable to have the unit certificate cancelled and his name shall be deleted from the Register of unitholders. The Trust shall have the right in such an event to repurchase the units at par. The amount shall not carry any rate of interest irrespective of the period it takes the Trust to repurchase the units and remit the proceeds to the applicant.

If the eligible applicant is admitted to the scheme, and avails of a loan thereafter, the Trust shall rely on the mandate given by the applicant in the application form as regards repayment of loan and interest.

V. *Sale of units* :

The contract for sale of units by the Trust shall be deemed to have been concluded on the acceptance date. On such conclusion of the contract for sale, the Trust shall, as soon thereafter as possible, send the applicant an acknowledgment thereof. As soon as possible thereafter, the Trust shall issue to the applicant one unit certificate representing the units sold to him. The unit certificate/s will be sent by registered post, with or "without acknowledgement due", to the address given by the applicant; and the Trust shall issue to the appilcant one unit certificate misdelivery or non-delivery of the unit certificate, so sent.

VI. *Tie-up with other financial institutions for housing loan*

The trust shall make necessary arrangements with financial institutions to enable unitholders under this scheme to avail of financial assistance for housing purposes.

A unitholder may, in respect of his each unitholding account avail loan upto 3 times the value at which the units were purchased on expiry of a period of 4 years from the date of purchase of units. Such loans may be upto 4 times on expiry of 7 years from the date of purchase of units. The period of repayment of loan, interest and other payments shall be on such terms and conditions as may be prescribed by the institutions advancing the loan. Repayment of instalments of loan and interest however, will be made by the Trust to the institution granting such housing loan and accordingly these payments will be adjusted against the outstanding unit holding account of the borrower unitholder based on the authorisation given by him in the application form. In the event the unitholding is depleted consequent upon such repayment being made by the Trust and the housing loan is still outstanding, the unitholder will be required to make all further payments of instalments of loan and interest directly to the institution from which he loan has been availed.

The Trust shall enter into agreements and/or a Memorandum of Understanding detailing all the tie up arrangements and other modalities as described above which will be binding on both the Trust and the Institution. The unitholder will also be bound by terms and conditions relating to availing of housing loan and repayment/payment of interest thereon. He may be required to issue mandates or affidavits/guarantees as may be necessary for the purpose. In addition to pledging of the unit certificate with the housing institution, the unitholder will be required to furnish such further security as may be called for by the Housing Financial Institution.

VII. *Repurchase of units*

Every unitholding account will be required to be kept for a minimum period of five years. The Trust shall, after the stipulated lock-in period, on receipt by it of a unit certificate, with the form on the reverse thereof duly filled in, repurchase comprised in the certificate, being in multiple of 10 units and the certificate so received shall be retained by the Trust for cancellation.

If the Trust at that time accepts partial repurchases, the Trust shall, in the case of repurchase of a part of the units comprised in the certificate, issue a new certificate for the balance of the units held by the unitholder.

Provided that—

(i) No person shall be entitled to sell to the Trust, part only of the units comprised in a unit certificate if such sale would result in his becoming holder of less than 20 units;

(ii) On sale of part of the units comprised in a unit certificate, the Trust will issue to the seller a certificate for the balance of the units held by him. The Trust will issue a certificate for the balance, only if their is a minimum of

20 units and in multiples of 10 units over and above the basic minimum of 20 units.

Provided further that provisions of sub-clause (i) shall not apply when the repurchases are linked to the discharge obligation required to be fulfilled under any housing loan arrangement specified in clause XII hereof.

VIIA. *Restrictions on sale and repurchase of units*

1. Notwithstanding anything contained in any other provisions of this scheme.

The Trust shall not be under an obligation to sell or repurchase units—

(i) On such days as are not working days; and

(ii) During the period when the registers of unitholders is closed in connection with (as notified by the Trust) the annual closing of the books and accounts; and

Explanation: For the purpose of this scheme, the term "working day" shall mean a day which has not been either

(i) notified under the Negotiable Instruments Act, 1881, to be a public holiday in the State of Maharashtra; or

(ii) notified by the Trust in the Gazette of India as a day on which the head office of the Trust will be closed.

(2) (i) The contract for repurchase shall be deemed to have been concluded on the acceptance date.

(ii) Where an application by an applicant for repurchase of units from him has been accepted by the Trust, the Trust shall as soon thereafter as possible, send the applicant an acknowledgement therefor.

(3) Payment for the units repurchased by the Trust shall be made as early as possible after the acceptance date in such manner as the applicant may indicate in his application. No interest shall, on any account, be payable on the amount due to the applicant, and the cost of remittance or of realisation of cheque or draft sent by the Trust shall be borne by the applicant.

VIII. Sale or repurchase to be as on the acceptance date

(1) Every sale or repurchase of units by the Trust shall be as on the acceptance date at the respective prices prevailing on that date :

(i) The price at which a unit will be sold by the Trust (hereinafter referred to as "the sale price"), and the price at which the unit will be repurchased by the Trust (hereinafter referred to as "the repurchase price").

(ii) The sale price shall be arrived at by dividing the value of assets (determined as hereinafter indicated) as at the close of business on the working day immediately preceding the day on which the sale price is determined, of the assets pertaining to this Scheme, reduced by liabilities pertaining to this Scheme, not being contingent liabilities or liabilities in respect of the initial capital and the unit capital including reserves, if any, as at the close of business on the said working day, by the number of units deemed to be in issue as at the close of business on the said day, adding thereto such sum as in the opinion of the Trust is adequate to cover expenses incurred for promoting and running the Scheme, Management Fees and other charges in relation to the acquisition of investments of the Trust.

(iii) The repurchase price shall be arrived at by dividing the value of assets (determined as hereinafter indicated) as at the close of business on the working day immediately preceding the day on which the repurchase price is determined, of the assets pertaining to this Scheme, reduced by liabilities peraining to this Scheme, not being contingent liabilities or liabilities in respect of the initial capital and the unit capital including reserves, if any as at the close of business on the said working day, by the number of units deemed to be in issue as at the close of business on the said day, deducting therefrom such sum as in the opinion of the Trust is adequate to cover expenses incurred for promoting and running the Scheme, Management Fees and other charges in relation to the acquisition of invesments of the Trust.

iv) The sale price or the repurchase price of a unit shall be construed to be NAV based and shall be arrived at on the basis of the material available with the Trust on the day on which the sale price, or he repurchase price, as the cases may be, is arrived at.

(2) Notwithstanding anything contained hereinabove when the Trust is satisfied that in the interest of the Trust, the unitholders and of the continuance and growth of the Scheme, it is necessary or expedient to do so, the Trust may determine the sale price or repurchase price or both at a rate which may not necessarily be in accordance with the provisions given above and any such determination shall be deemed to be in the interest of the Trust and the unitholders".

VIIIA. Publication of sale price and repurchase price

The Trust shall, as early as possible after the determination of the sale and repurchase prices, publish in such manner as it may deem fit, the sale price and the repurchase price of units. Sale prices and repurchases to be effective after lock-in period of 5 years will be NAV based and will be declared on weekly basis. Premature repurchase if any, during the lock-in period will be at par.

IXA. Valuation of assets pertaining to this Scheme

For the purposes of valuation of assets under sub-clause the assets shall be classified into (a) cash, (b) investments, and (c) other assets.

(B) *Valuation of Investments*

Investments shall be valued by taking :

(i) the closing prices on the stock exchange as on the working day on which the valuation is made of the securities held by the Trust pertaining to this scheme; provided where a security is quoted of more than one stock exchange, the manner of determining the price of such security shall be decided by the Trust;

(ii) Where during the relevant period any investment was not dealt in or quoted on any recognised stock exchange, such value, as the Trust may, in the circumstances consider to be the fair value of such investment; and

Adding thereto :—

(iii) In the case of interest earning deposits, interest accrued but not received;

(iv) In the case of Government securities and debentures, interest accrued but not received, and

(v) In the case of preference shares and equity shares quoted ex-dividend; any dividend declared but not received.

(C) Valuation of other assets

Other assets of the Fund shall be valued at their book value or realizable value, whichever is less. In other words, if it comes to the notice of the Trust that there has been depreciation in the market value of other assets, it may take the market value as may be determined.

X. *Form of unit certificate*

Unit Certificates shall be in such form as may be approved by the Chairman. Each unit certificate shall bear a distinctive number, the number of units represented by the certificate and the names of the unitholders, the date of purchase, the rate and the total value at which the units were purchased. Unit certificates shall also bear the date on which the lock-in period of five years expires.

XI. *Manner of preparation of unit certificate*

The Unit Certificates may be engraved or lithographed or printed as the Board may, from time to time, determine and shall be signed on behalf of the Trust by two persons duly authorised by the Trust. Every signature may either be authographic or may be effected by a mechanical method. No unit certificate shall be valid unless and until it is so signed. Unit Certifiactes so signed shall be valid and binding notwithstanding that, before the issue thereof, any person whose signature appears thereon, may have ceased to be a person authorised to sign unit certificates on behalf of the Trust. Provided that should the unit certificate so prepared contain the signature of an authorised person who however is dead at the time of issue of the certificate, the Trust may by a method considered by it as most suitable, cancel the signature of such a person appearing on the certificate and have the signature of any other authorised person affixed to it. The Unit Certificate so issued shall also be valid.

XII. *Trust not to be recognised regarding unit certificates*

The person who is registered as the holder and in whose name a unit certificate has been issued shall be the only person to be recognised by the Trust as the unitholder and as having a right, title or interest in or to such unit certificate and the units which it represents; and the Trust may recognise such unitholder as the absolute owner thereof and shall not be bound by any notice to the contrary or to take notice of the execution of any trust or save as herein expressly provided or as by some court of competent jurisdiction affecting the title to any unit certificate or the units thereby represented.

XIII. *Exchange of Unit Certificates and procedure when the certificate is mutilated, defaced, lost etc.*

(1) In case any unit certificate shall be mutilated or worn or defaced, the Trust at its discretion, may issue to the person entitled a new unit certificate representing the same aggregate number of units as the mutilated or worn or defaced unit certificate. In case any unit certificate should be lost, stolen or destroyed, the Trust may, at its discretion, issue to the person entitled a new certificate in lieu thereof no such new certificate shall be issued unless the applicant shall previously have.

(i) Furnished to the Trust evidence satisfactory to it of the multilation, wearing out, defacement loss, theft or destruction of the original unit certificate.

(ii) Paid all expenses in connection with the investigation of the facts.

(iii) In case of mutilation or wearing out or defacement produced and surrendered to the Trust the mutilated or worn out or defaced unit certificate; and

(iv) furnished to the Trust such indemnity as it may require. The Trust shall not incur any liability for issuing such certificate in good faith under the provisions of this clause.

(2) Before issuing any certificate under the provisions of this clause, the Trust may require the applicant for the unit certificate to pay a fee of Re. 1/- per unit certificate issued by it together with a sum sufficient in the opinion of the Trust to cover stamp duty, if any, or other charges or taxes including postal registration charges may be payable in connection with the issue and despatch of such certificate.

XIV. Unitholder may consolidate all such units issued under the scheme for which the lock-in period has expired.

XV. *Register of unitholders*

The following provisions shall have effect with regard to the registration of unitholders :

(1) A register of unitholders shall be kept by the Trust at its Head Office and there shall be entered in the register :

(a) the name and addresses of the unitholders;

(b) the distinctive number of the unit certificate and the number of units held by every such person the date of purchase, the rate and the total value of the units purchased; and

(c) the date on which person became the holder of the units in his name.

(d) expiry of lock-in period of units i.e. the date from which they can be tendered for repurchase.

(2) if a unit certificate stands registered in the name of two persons, such persons shall be deemed to hold the certificates jointly and a discharge by the person first named in the register of the unitholders shall, as regards receipt of amounts due in respect of such units, discharge the Trust in respect of such amounts.

(3) Any change of name or address on the part of any unitholder shall be notified to the Trust, which, on being satisfied of such change and on compliance with such formalities as it may require, shall alter the register accordingly.

(4) Except when the register is closed in accordance with the provisions in that behalf hereinafter contained, the register shall during business hours (subject to such reasonable restrictions as the Trust may impose but so that not less than two hours on each business day shall be allowed for inspection) be open to inspection by any unitholder without charge.

(5) The register will be closed at such times and for such period as the Trust may from time to time determine provided that it shall not be closed for more than 60 days in any one year; the Trust shall give notice of such closure by advertisement in such newspaper as the Board may direct.

(6) No notice of any trust express, implied or constructive shall be entered on the register in respect of any unit.

XVI. *Receipt by unitholder to discharge Trust*

The receipt of the unitholder for any moneys paid to him in respect of the units represented by the certificate/s shall be a good discharge to the Trust.

XVII. *Death or bankruptcy of a unitholder*

(1) In case of death of either of the joint holders of a unit certificate/s, the survivor shall be the only person recognised by the Trust as having title to or interest in the units represented by the unit certificate/s, Provided that nothing herein contained shall affect any right which any other person may have as against such survivor in respect of the said units.

(2) In the event of death of a single holder, the nominee shall be the person recognised by the Trust as the person entitled to the amount payable by the Trust in respect of units under the Regulations. If the nominee so desires and is eligible to participate in the scheme, he shall be entitled to continue in the scheme and shall be bound by all the terms and conditions of the scheme. In case the unitholder had availed of a housing loan from any financial institution, the terms and rules prevalent therein shall also apply to the nominee.

(3) In the absence of a valid nomination by a single unit holder/s, the executor or administrators of the deceased unitholder/s or a holder of succession certificate issued under part X of the Indian Succession Act, 1925 (39 of 1925) shall be the only persons who may be recognised by the Trust as having any title to the unit.

(4) Any person becoming entitled to a unit/s consequent upon the death or bankruptcy of a unitholder may, upon

producing such evidence as to his title as the Trust shall consider sufficient, be considered to get his name registered in the Register as owner/holder.

XVIII. *Application on behalf of minor*

(1) An adult being a parent, step-parent or other lawful guardian of a minor may apply for the units and deal with them in accordance with and to the extent provided in sub-section (2A) of Section 21 of the Act and in this scheme.

(2) Such adult while applying for units shall furnish to the Trust in such manner as may be specified, proof of age of the minor and the capacity to hold and deal with units on behalf of the minor.

Provided that the Trust shall be entitled to act on the statements made by such adult in the application form without any further proof. The minor shall not eligible for housing loan as prescribed herein.

XIX. *Nomination by unitholders*

(1) Unitholders holding units singly or two unitholders holding jointly may exercise the right to make or cancel a nomination to the extent provided in the Regulations.

Non resident Indians are permitted to nominate in favour of resident individuals subject however to the condition that the capital and dividend cannot be repatriated.

(2) Unitholders being either parent or lawful guardian on behalf of a minor and shall have no right to make any nomination.

XX. *Investment of funds under the Scheme*

The funds of the Scheme may be applied towards one or more of the following :

(i) To provide capital, finance, loan, deposit and/or advance to Housing Finance Companies.

(ii) To invest in shares, debentures, securities, secured/unsecured deposits of companies.

(iii) To provide finance to companies for staff housing purposes on such terms as may be determined.

(iv) To invest funds of the Scheme in money market instruments.

(v) The funds collected under the Scheme will be invested by the Trust in a diversified portfolio of land, property and securities. It will be the endevour of the Trust to invest upto 50% of the funds with the Institutions and Companies connected with housing, development and building of property. The balance funds will be invested in capital market and money market instruments. The Trust will also purchase and sell land/Building with a view to picking capital appreciation. This will be done in consultation with institutions of repute in this field.

XXA. *Investment limits-securities* :—Investments by the Trust from the funds of the Scheme in the securities of any one company shall not exceed 15% of the securities issued and outstanding of such companies.

Provided that the aggregate of such investments in the capital initially issued by new industrial undertakings shall not at any time exceed 5% of the total amount of the said funds.

The limits prescribed above shall not apply to :

(i) investments of the Trust in bonds, deposits and debentures of a company whether secured or not.

(ii) Investments if any, by the Trust in land and property and construction finance.

XXI. *Dividend*

No dividend will be declared under the Scheme. The Scheme aims at ploughing back the income earned under the Scheme each year to provide for handsome capital gains.

XXII. *Publication of accounts*

The Trust shall, as soon as may be after the 30th June of each year cause to be published in such manner as the Board may decide, accounts in the manner specified by the Board, showing the working of the scheme during the period ending on 30th June. The Trust shall, on request in writing received from a unitholder, furnish him a copy of the accounts so published.

XXIII. *Additions and amendments to scheme*

The Board may, from time to time and to or otherwise amend this scheme and any amendment thereof will be notified in the official Gazette.

XXIV. *Termination of the Scheme*

The Scheme shall if circumstances so exist stand finally terminated in the interest of the unitholders and the Trust. The outstanding units of the unitholders whose names are entered in the Register on the date to be specified shall be repurchased at a price equal to the NAV per unit as on that day. The unitholders shall be paid as early as possible the value of their units at the repurchase price fixed for the final repurchase on the day of termination, after the unit certificate/s with the form on the reverse thereof duly completed has been received by it. The unit Certificate received for repurchase shall be retained by the trust for cancellation. When the Trust decides to terminate the Scheme, it will be binding on the unitholders and they shall have no right to persuade the Trust to continue the scheme.

XXV. *Scheme to be binding on unitholders*

The terms of this scheme, including any amendments thereof from time to time, shall be binding on each unitholder and every other person claiming through him as if he had expressly agreed that they should be so binding.

XXVI. *Copy of Scheme to be made available*

A copy of this scheme incorporating all amendments thereto shall be made available for inspection at the offices of the Trust at all times during its business hours on payment of a sum of Rs. 5/-.

XXVII. *Benefits to the unitholders*

All benefits accruing under the Scheme in respect of capital reserves and surpluses, if any available at the time of the closure of the scheme shall be distributable only among the unitholders who hold the units at its closure and whose names are entered on the Register of Unitholders.

XXVIII. *Power to construe provisions*

Should any doubt arise as to the interpretation of any of the provisions of the scheme, Chairman or in his absence the Executive Trustee shall have powers to construe the provisions of the Scheme, in so far such contruction is not in any manner prejudicial or contrary to the basic structure of the Scheme and such decision shall be final and conclusive.

XXIX. *Relaxation/Variation/Modification of provisions*

The Chairman or in his absence the Executive Trustee of the Trust in order to mitigate hardships or for smooth and easy operation of the Scheme, relax, vary or modify any of the provisions of the scheme in case of any unitholder, or class of unitholders upon such conditions as may be deemed expedient.

प्रबन्धक, भारत सरकार मुद्रणालय, फरीदाबाद द्वारा मुद्रित
एवं प्रकाशन नियंत्रक, दिल्ली द्वारा प्रकाशित, 1992
PRINTED BY THE MANAGER, GOVERNMENT OF INDIA PRESS, FARIDABAD
AND PUBLISHED BY THE CONTROLLER OF PUBLICATIONS, DELHI, 1992